आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 260 | उज्जैन, शनिवार 09 अगस्त 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रुपया

स्वदेशी अभियान के जरिये हम बनायेंगे एक बेहतर कल-मुख्यमंत्री

प्रदेश में अब निरंतर हो रहा है उद्योगों का लोकार्पण और भूमिपूजन

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि स्वदेशी अभियान के जरिए हम आत्मनिर्भर भारत की दिशा में एक मजबूत और बेहतर भविष्य का निर्माण कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि रायसेन जिले में हो रहा औद्योगिक निवेश मध्यप्रदेश के औद्योगिक परिदृश्य को एक नया आयाम देगा। यह न केवल स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए द्वार खोलेगा, बल्कि यहां की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को और गतिशील भी बनायेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को रायसेन जिले के ग्राम तामोट में 416 करोड़ रुपये की लागत वाली नवीन औद्योगिक इकाइयों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। इनमें 300 करोड़ रू लागत से 12 हैक्टेयर में 06 नवीन औद्योगिक इकाइयों का भूमिपूजन हुआ और 116 करोड़ रू

लागत की 06 इकाइयों का लोकार्पण हुआ। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन सभी औद्योगिक परियोजनाओं से हजारों स्थानीय युवाओं को प्रत्यक्ष और परोक्ष रूप से स्थाई रोजगार मिलेगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 'मेक इन इंडिया' और 'वोकल फॉर लोकल' के संकल्प को साकार करने के लिए मध्यप्रदेश सरकार निरंतर प्रयासरत है। राज्य में स्वदेशी अभियान के तहत स्थानीय संसाधनों और प्रतिभाओं को प्राथमिकता दी जा रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि शनिवार को रक्षाबंधन है। हमारी परंपरा ÷यत् पिंडे तत् ब्रह्मांडे÷ जैसी है। अब दुनिया रिसर्च करके हमारी परंपराओं को जान रही है। उन्होंने कहा कि जिन अंग्रेजों ने कभी हमारे भारत पर 300 वर्ष तक शासन किया, अब हमारी कंपनियां उन्हीं को नौकरी पर रख रही हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में देश-प्रदेश को अनेकों सौगातें मिली हैं। भारतीय रेलवे ने अभूतपूर्व प्रगति की है। देश में वंदेभारत ट्रेन और मेट्रो का नेटवर्क बना है। अब भोपाल के पास उमरिया गांव में रेलवे के आधुनिक और मेट्रो ट्रेन के कोच बनाए जाएंगे। उन्होंने बताया कि 10 अगस्त को केंद्रीय रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह बीईएमएल रोलिंग स्टॉक फैक्ट्री का भूमिपूजन करेंगे, जो मध्य भारत में ट्रेन कोचेस के निर्माण का प्रमुख केंद्र बनेगा। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री श्री मोदी 25 अगस्त को पीएम मित्रा पार्क का भूमिपूजन करने मध्यप्रदेश (धार) आने वाले हैं।

बिहार चुनाव से पहले चुनाव अधिकारियों के मानदेय में इजाफा, ECI ने किया एलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। चुनाव आयोग ने बड़ा फैसला लेते हुए चुनाव अधिकारियों के मानदेय को बढ़ा दिया है। आयोग ने पीठासीन अधिकारियों, मतदान अधिकारियों, मतगणना कार्मिकों, माइक्रो ऑब्जर्वरों और अन्य अधिकारियों के पारिश्रमिक में वृद्धि की है।

इसके अलावा, उप जिला निर्वाचन अधिकारियों, सीएपीएफ कार्मिकों और सेक्टर अधिकारियों के मानदेय में भी वृद्धि की गई है। साथ ही मतदान या मतगणना ड्यूटी के लिए भोजन-जलपान की दरों में वृद्धि की है।

चुनाव आयोग ने जारी किया पत्र- चुनाव आयोग की ओर से जारी पत्र में कहा गया है कि चुनावों के संचालन में निर्वाचन तंत्र द्वारा की जाने वाली विविध गतिविधियां शामिल होती हैं, जिनमें केन्द्र सरकार, राज्य सरकारों, पीएसयू, स्थानीय प्राधिकरणों आदि के विभिन्न विभागों से प्राप्त अधिकारी और कर्मचारी शामिल होते हैं।

चुनाव अवधि के दौरान, जमीनी स्तर पर तैनात संपूर्ण तंत्र कठिन और संवेदनशील कर्तव्यों का निर्वहन करता है, जो लंबे समय तक चलता है और कई महीनों तक भी जारी रहता है, ताकि एक अनुकूल वातावरण सुनिश्चित किया जा सके, जिसमें मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकें और अपनी पसंद की सरकार चुन सकें।

एक-दो हफ्ते में निकल सकता है कोई रास्ता, ट्रंप के टैरिफ वार के बीच शशि थरूर ने किया बड़ा दावा

अमेरिकी टैरिफ को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी है। शशि थरूर ने समाचार एजेंसी एएनआई से बात करते हुए कहा कि अगर किसी ने अपना व्यवहार बदला है, तो हमारे देश को कई बाते सोचनी पड़ेंगी।

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाने का एलान किया है। अमेरिकी टैरिफ वार ने सियासी और कूटनीतिक हलचल मचा कर रख दी है। टैरिफ वार को लेकर कांग्रेस सांसद शशि थरूर हमेशा से चिंता जाहिर करते आए हैं।

अब एक बार फिर से उन्होंने भारत को काफी चीजें सोचनी पड़ेंगी- कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने टैरिफ मुद्दे पर अपने विचार रखते हुए कहा कि जो कुछ चल रहा है, वह बेहद चिंतित करने वाला है। एक ऐसा देश जिससे हमारे नजदीकी रिश्ते थे और हम साथ काम करते थे। अगर उस देश ने व्यवहार में बदलाव किया है, तो निश्चित भारत को बहुत सी चीजें सोचनी पड़ेंगी।

चार औरतें, अलग-अलग नाम और एक ही शिकार... ऑनलाइन दोस्ती के चक्कर में 9 करोड़ गंवा बैठा 80 साल का बुजुर्ग

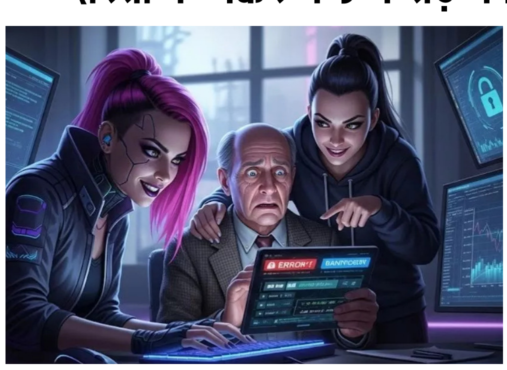

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में ऑनलाइन दोस्ती एक बुजुर्ग को इतनी भारी पड़ी कि उन्होंने 21 महीने के भीतर अपनी करोड़ों की रकम गंवा दी। मामला साइबर ठगी है जिसमें 80 साल के बुजुर्ग से ऑनलाइन दोस्ती की आड़ में 9 करोड़ रुपए ठग लिए गए।

साइबर पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर एफआईआर दर्ज कर ली है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि क्या पीड़ित से बात करने वाली सभी औरतें अलग-अलग थीं या फिर एक ने ही अलग-अलग नामों और नंबरों से बुजुर्ग के शिकार बनाया। 80 साल के शिकायतकर्ता अपने बेटे और बहू के साथ मुंबई में रहते हैं।

फेसबुक पर दोस्ती कर दिया ठगी को अंजाम- TOI के मुताबिक, अप्रैल 2023 में शिकायतकर्ता ने फेसबुक पर शार्वी नाम की एक महिला को फ्रेंड रिक्वेस्ट भेजी थी। दोनों एक-दूसरे को नहीं जानते थे इसलिए रिक्वेस्ट कैंसिल कर दी। लेकिन कुछ दिनों बाद शार्वी ने शिकायतकर्ता को वापस फ्रेंड रिक्वेस्ट भेजी जिसे उन्होंने स्वीकार कर लिया।

बच्चे की बीमारी के नाम पर बुजुर्ग से ठगी- दोनों में ऑनलाइन चैटिंग होने लगी और फिर WhatsApp नंबर में शेयर कर लिए। शार्वी ने बताया कि उसका अपने पति के साथ तलाक हो गया है और वह अपने बेटे के साथ रहती है। अपने बच्चे की बीमारी की कहानी बताकर वो धीरे-धीरे पैसे मांगने लगी और शिकायतकर्ता उसे पैसे देने लगा।

सुप्रीम कोर्ट ने वापस लिया अपना ही आदेश...

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार, 8 अगस्त को इलाहाबाद हाईकोर्ट के जज प्रशांत कुमार को लेकर की गई अपनी उस टिप्पणी को हटा लिया है जिसमें उनकी एक सिविल विवाद मामले में आपराधिक कार्यवाही को अनुमति दिए जाने की आलोचना की थी। कोर्ट ने कहा कि उसका इरादा उन्हें शर्मिंदा करना या उन पर आरोप लगाना नहीं था।

जस्टिस जे बी पारदीवाला और जस्टिस आर महादेवन की पीठ ने दोहराया कि ये टिप्पणियां न्यायपालिका की गरिमा बनाए रखने के लिए की गई थीं।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि चीफ जस्टिस बी आर गवई द्वारा मामले पर पुनर्विचार करने के अनुरोध के बाद वह इन टिप्पणियों को हटा रही है। शीर्ष अदालत ने यह स्वीकार करते हुए कि हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ही रोस्टर के मास्टर हैं, इस मामले में निर्णय लेने का अधिकार उन पर छोड़ दिया।

अपने अभूतपूर्व आदेश में, जस्टिस पारदीवाला और जस्टिस महादेवन की पीठ ने 4 अगस्त को इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायाधीश के आपराधिक मामलों के रोस्टर को उनके पद छोड़ने तक हटा दिया, क्योंकि उन्होंने एक दीवानी विवाद में आपराधिक प्रकृति के समन को गलती से बरकरार रखा था।

इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायाधीशों के एक रूप ने मुख्य न्यायाधीश अरुण भंसाली को पत्र लिखकर उनसे न्यायमूर्ति प्रशांत कुमार को आपराधिक रोस्टर से हटाने के सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के जवाब में एक कोर्ट मीटिंग बुलाने का अनुरोध किया था।

अंगारकी चतुर्थी पर सिद्धिविनायक मंदिर में होगी खास व्यवस्था

नई दिल्ली (एजेंसी)। आगामी 12 अगस्त को अंगारकी चतुर्थी के अवसर पर, मुंबई के प्रसिद्ध श्री सिद्धिविनायक मंदिर में दर्शन के लिए बड़ी संख्या में भक्त उपस्थित रहेंगे। इस संदर्भ में, मंदिर प्रशासन ने भक्तों की सुविधा के लिए विशेष दर्शन और सुरक्षा व्यवस्था की है और मंदिर में कैमरे और लैपटॉप ले जाने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। दरअसल, सुबह 3.15 बजे महापूजा के बाद, पूरे दिन भजन, आरती और विशेष पूजा अनुष्ठान आयोजित किए गए हैं। रात 11.50 बजे तक दर्शन के लिए विशेष व्यवस्था की जाएगी।

जिसका डर था वही हुआ... वॉलमार्ट, अमेजन समेत कई कंपनियों ने होल्ड कर दिए भारत के ऑर्डर; ट्रंप टैरिफ का दिखा असर

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका द्वारा भारत पर 50 फीसदी टैरिफ लगाए जाने के बाद अब वॉलमार्ट, अमेजन, टारगेट और गैप सहित प्रमुख अमेरिकी खुदरा विक्रेताओं ने भारत से आने वाले ऑर्डर होल्ड कर दिए हैं। इंडियन एक्सपोर्टर्स को इस बात का डर पहले से ही सता रहा था कि टैरिफ के बढ़ने से उनके ऑर्डर प्रभावित हो सकते हैं।

एनडीटीवी ने सूत्रों के हवाले से दावा किया है कि भारतीय एक्सपोर्टर्स को अमेरिकी खरीदारों की तरफ से लेटर और ईमेल मिले हैं, जिसमें कहा गया है कि भारतीय निर्यातक अगली सूचना तक कपड़ों की शिपमेंट रोक दें।

लागत 35 फीसदी बढ़ जाएगी- दरअसल अमेरिकी कंपनियां चाहती हैं कि टैरिफ से बढ़ी हुई लागत का भार भारतीय निर्यातक वहन करें। टैरिफ से अमेरिकी में बिकने वाले सामानों की लागत 30 से 35 फीसदी बढ़ने की संभावना है। भारत के वेलस्पन लिविंग, गोकलदास एक्सपोर्ट्स, इंडो काउंट और ट्राइडेंट जैसे प्रमुख निर्यातक हैं, जो अमेरिकी में 40 से 70 फीसदी तक बिक्री करते हैं।

माना जा रहा है कि अब अमेरिका जाने वाले ऑर्डर के होल्ड होने से व्यापार में 40 से 50 फीसदी गिरावट दर्ज की जा सकती है। दरअसल भारत से सबसे ज्यादा मात्रा में कपड़े अमेरिका को एक्सपोर्ट किए जाते हैं। लेकिन टैरिफ से भारत का ऑर्डर बांग्लादेश और वियतनाम को मिल सकता है।

डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 50 फीसदी टैरिफ लगाया है, जबकि बांग्लादेश और वियतनाम पर यह महज 20 फीसदी है। भारत ने ट्रंप के इस फैसले को अतार्किक बताते हुए विरोध किया था, जबकि ट्रंप इस पर अड़े हुए हैं। ट्रेड डील होने तक इस समस्या के सुलझने के आसार फिलहाल तो दिखाई नहीं देते।

महासागर में गिराया जाएगा इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन, NASA ने क्यों लिया ये फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। एक फुटबॉल ग्राउंड के आकार की लेबोरेटरी, वजन 430 टन से अधिक और धरती से लगभग 400 किलोमीटर की ऊंचाई। 28 हजार किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से घूम रही इस लेबोरेटरी को हम इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन कहते हैं। 1998 में इसकी लॉन्चिंग के बाद से अब तक 26 देशों के 280 से ज्यादा एस्ट्रोनॉट ढ्रस्स का दौरा कर चुके हैं।

लेकिन नासा अब इसे प्रशांत महासागर में गिराने की तैयारी कर रहा है। इसकी वजह ये है कि ढ्रस्स के प्राइमरी स्ट्रक्चर जैसे मॉड्यूल, ट्रस और रेडिएटर खराब हो रहे हैं और 2030 के बाद इसका संचालन काफी जोखिम भरा व महंगा होता जाएगा। कई विकल्पों पर विचार करने के बाद इसे प्रशांत महासागर के प्वाइंट निमो में गिराने का फैसला किया गया है। क्या होता है प्वाइंट निमो?

प्वाइंट निमो दक्षिण प्रशांत महासागर का एक ऐसा क्षेत्र है, जो पृथ्वी का सबसे एकांत स्थान माना जाता है। इंसान तो छोड़िए, पक्षी भी इसके आसपास नहीं फटकते। न्यूजीलैंड के ईस्ट कोस्ट से 3000 मील और अंटार्कटिका से 2000 मील दूर ये जगह लंबे वक्त से रिटायर हो चुके सैटेलाइट और अंतरिक्ष यानों की कब्रगाह बनी हुई है। ढ्रस्स का संचालन नासा, रोस्कोस्मोस, ईएसए, जेएक्सए और कनाडाई अंतरिक्ष एजेंसी करती है। अब इसको डिऑर्बिट करने की जिम्मेदारी भी इन्हीं की है। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, 150 अरब डॉलर की लागत वाले इस स्पेस स्टेशन को डिऑर्बिट करने के लिए स्पेसएक्स डिऑर्बिट व्हीकल बनाएगा। यह एक ऐसा विशेष अंतरिक्ष यान है, जो ढ्रस्स को नियंत्रित तरीके से प्वाइंट निमो तक ले जाएगा और इसी के साथ ढ्रस्स के 30 साल के इस शानदार सफर का अंत हो जाएगा।

ऐसा नहीं है कि नासा ने ढ्रस्स को गिराने के अलावा किसी अन्य विकल्प पर विचार नहीं किया। पहला विचार इसी बात पर किया गया कि इसे अधिक ऊंचाई की कक्षा में धकेल दिया जाए, जिससे यह ऐतिहासिक अवशेष के रूप में हमेशा के लिए बना रहे। ढ्रस्स जहां है, वहां उस पर अंतरिक्ष में किसी मलबे से टकराने का खतरा 50 साल में एक बार का है, लेकिन अधिक ऊंचाई पर ले जाने से यह 4 साल में एक बार या उससे अधिक भी हो सकता है।

सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, इसके अलावा इस बात पर भी विचार किया गया कि ढ्रस्स को उसकी कक्षा में ही विघटित कर दिया जाए और फिर इसे वापस लाकर म्यूजियम या रिसर्च के लिए रखा जाए। लेकिन यह लगभग असंभव था। इसमें अत्यधिक फंड और एस्ट्रोनॉट की जान जोखिम में डालने जैसे फैसले लेने पड़ते और इसी कारण ये फैसला टाल दिया गया।

गजब! ब्रिटिश सांसद ने वोटर्स से संवाद के लिए लॉन्च किया अपना AI वर्जन, लोग 24X7 कर सकेंगे बात

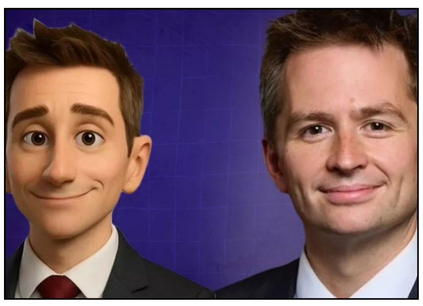

नई दिल्ली (एजेंसी)। ब्रिटेन के सांसद ने अपने वोटरों से संवाद करने के लिए अपना एक एआई संस्करण तैयार किया है। लीड्स साउथ वेस्ट और मॉर्ले से लेबर पार्टी के सांसद मार्क सीवार्ड ने एक स्टार्टअप AI फर्म, न्यूरल वॉइस के साथ मिलकर अपना एक आभासी रूप तैयार किया है।

ब्रिटेन के पहले वर्चुअल सांसद कहे जाने वाले इस चैटबॉट में मार्क सीवार्ड की आवाज में सलाह, समर्थन या उनकी टीम को संदेश भेजने की व्यवस्था भी की गई है।

बीबीसी के मुताबिक, सांसद मार्क सीवार्ड ने कहा कि यह एआई संस्करण सांसद कार्यालय और हमारे मतदाताओं के बीच संबंध को मजबूत करने में मदद करेगा और लोगों को साल के 365 दिन, 24*7 सहायता प्राप्त करने में सक्षम बनाएगा।

वर्चुअल सांसद ने लोगों से क्या अपील की- एआई चैटबॉस अभी एक प्रोटोटाइप है और जरूरत पड़ने पर इसमें बदलाव भी किए जाएंगे। वर्चुअल सांसद ने स्थानीय लोगो को एआई मार्क को आजमाने की अपील करते हुए एक संदेश में कहा कि एआई क्रांति हो रही है और हमें इसे अपनाना होगा, वरना हम पीछे रह जाएंगे।

अपने लोगों की मदद करना चाहता हूं- मार्क सीवार्ड

उन्होंने कहा कि हमें एआई द्वारा दिए गए अवसरों को अपनाना होगा और इसके बारे में सीखने का इससे बेहतर तरीका और क्या हो सकता है कि हम एआई ही बन जाएं।

उन्होंने आगे कहा मैं ऐसा कुछ चाहता हूं जो मेरे चुनाव क्षेत्र के लोगों और मेरे द्वारा प्रतिनिधित्व किए जाने वाले लोगों के लिए सचमुच मददगार हो। अगर हम एक ऐसा मॉडल बना सकें जो बेतुकी बातें कहे बिना ठीक से काम करे, तो यही सही रास्ता है।

पाक सेना प्रमुख आसिम मुनीर का अमेरिका दौरा, शीर्ष अधिकारियों से करेंगे मुलाकात

नई दिल्ली (एजेंसी)। तेजी से बदलते सामरिक समीकरणों के बीच पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर इस सप्ताह फिर अमेरिका का दौरा करने वाले हैं, वहां वे शीर्ष अमेरिकी अधिकारियों के साथ बैठक करेंगे। भारत-पाक के बीच हुए संघर्ष के बाद से यह उनका दूसरा अमेरिकी दौरा है। जून में मुनीर ने अमेरिका का पांच दिवसीय दौरा किया था। उस दौरान उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ लंच भी किया था।

उस बैठक के परिणामस्वरूप ट्रंप ने विभिन्न क्षेत्रों में अमेरिका-पाकिस्तान सहयोग को बढ़ाने की घोषणा की थी, जिसमें एक तेल सौदा भी शामिल था। समाचार पत्र डान के अनुसार, फील्ड मार्शल मुनीर के इस सप्ताह अमेरिका में अपने अमेरिकी समकक्षों के साथ बैठक के लिए पहुंचने की उम्मीद है। सूत्रों ने बताया कि यह दौरा अमेरिका के केंद्रीय कमान के प्रमुख जनरल माइकल एरिक कुरिल्ला द्वारा जुलाई के अंत में पाकिस्तान की यात्रा के बाद हो रहा है।

जनरल कुरिल्ला को पाकिस्तान सरकार ने किया सम्मानित- चार अगस्त को जारी एक प्रेस बयान में केंद्रीय कमान ने जनरल कुरिल्ला की हालिया पाकिस्तान यात्रा और क्षेत्र के अन्य देशों का उल्लेख किया था।

ट्रंप ने कराया भारत-पाक के बीच सीजफायर, अब अमेरिकी विदेश मंत्री ने किया दावा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम का क्रेडिट लेने से अमेरिका बाज नहीं आ रहा है। पहले डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से सीजफायर का क्रेडिट लेने की तमाम कोशिशें हुईं, वहीं अब अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियों ने भी इसे दोहरा दिया है। रूबियो ने कहा है कि भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम में अमेरिका सीधे तौर पर शामिल हुआ।

रूबियो ने सीजफायर का क्रेडिट ट्रंप को देते हुए कहा कि वह दोनों परमाणु संपन्न देशों के बीच शांति स्थापित करने में सफल रहे। दरअसल डोनाल्ड ट्रंप यह बात कई बार दोहरा चुके हैं कि उन्होंने पाकिस्तान और भारत के बीच तनाव का समाधान निकालने में मदद की।

भारत ने पहले भी खारिज किया है दावा- ट्रंप ने यहां तक कह दिया था कि उन्होंने दोनों देशों को ट्रेड रोकने की धमकी दी थी, जिसके बाद भारत और पाकिस्तान सीजफायर के लिए तैयार हुए थे। लेकिन भारत ने पहले दिन से ही ट्रंप के बयान को बेबुनियाद बताया था। भारत ने स्पष्ट किया था कि पाकिस्तान की तरफ से सीजफायर की गुजारिश की गई थी।

एक इंच जमीन दो तो..., भारत पर ट्रंप के टैरिफ से भड़क उठा चीन

भारत और अमेरिका के बीच व्यापारिक रिश्तों में काफी तनाव आ गया है। हाल में ही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर अतिरिक्त 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने का फैसला लिया। ट्रंप के इस फैसले ने राजनीतिक और कूटनतिक तौर पर हलचल मचा दी है।

डोनाल्ड ट्रंप के इस फैसले की चारों ओर आलोचना हो रही है। अब चीन भी खुलकर भारत पर ट्रंप की ओर से थोपे गए टैरिफ की आलोचना कर रहा है। गुरुवार को चीन राजदूत ने ट्रंप के टैरिफ वाले फैसले को गलत ठहराया और ट्रंप को बदमाश कहकर निशाना साधा। इतना ही नहीं चीन ने इसे वैश्विक व्यापार व्यवस्था के लिए भी खतरा बताया।

चीनी राजदूत ने ट्रंप के फैसले पर की तीखी टिप्पणी- जानकारी दें कि नई दिल्ली में चीनी राजदूत शू फेइहोंग ने गुरुवार को अमेरिका के राष्ट्रपति पर निशाना साधा। उन्होंने ट्रंप के इस टैरिफ के फैसले की आलोचना की। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को बदमाश तक कह दिया।

ये घटनाक्रम ऐसे समय पर हुआ है, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जल्द ही चीन की यात्रा कर सकते हैं। जहां पर वह एससीओ की बैठक में हिस्सा लेंगे। बता दें कि बिना किसी का नाम लिए चीनी राजदूत शू फेइहोंग ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि बदमाश को अगर एक इंच दिया जाए तो वह एक मील ले लेता है।

इस दौरान उन्होंने चीनी विदेश मंत्री वांग यी और ब्राजील के राष्ट्रपति के मुख्य सलाहकार के बीच हालिया फोन कॉल का एक अंश भी शेयर किया। इस बातचीत में वांग यी ने कहा है कि अन्य देशों को दबाने के लिए संयुक्त राष्ट्र चार्टर का उल्लंघन है और यह विश्व व्यापार संगठन के नियमों की भी अवहेलना है।

सऊदी अरब में मौत की सजा का बढ़ा ग्राफ, सबसे ज्यादा पाकिस्तानी नागरिकों को दी गई फांसी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सऊदी अरब में मौत की सजा पर लगाम लगाने के दावे अब खोखले साबित हो रहे हैं। भले ही क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने 2022 में कहा था कि अब सिर्फ उन्हीं मामलों में मौत की सजा दी जाएगी जो कुरान में स्पष्ट रूप से लिखे हैं, लेकिन ताजा आंकड़े बताते हैं कि यह वादा निभाया नहीं गया।

खासकर नशे से जुड़े अपराधों में सऊदी अदालतें लागातर सख्त रवैया अपना रही है। विदेशी नागरकों को सबसे ज्यादा निशाना बनाया जा रहा है। एमनेस्टी इंटरनेशनल की जुलाई 2025 की रिपोर्ट के अनुसार, जनवरी 2014 से जून 2025 तक सऊदी अब में 1816 लोगों को फांसी दी गई।

2024 में कितने लोगों को दी गई फांसी- इसमें 597 मामले नशे से जुड़े अपराधों से संबंधित थे। अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार कानून के अनुसार, ड्रग्स के मामलों में मौत की सजा नहीं दी जानी चाहिए। 2024 में 345 लोगों को फांसी दी गई, जो पिछले 30 सालों में सबसे ज्यादा है।

सऊदी अरब में ताजीर नाम का एक इस्लामी सिद्धांत है, जिसके तहत जजों को ये तय करने की छूट होती है कि किस अपराध में कैसी सजा दी जाए। भले ही कानून में उसकी सजा तय न हो।

ताजीर के तहत कितनों को मिली फांसी की सजा- इस प्रावधान का दुरुपयोग करते हुए 2014 से अब तक 862 लोगों को ताजीर के तहत मौत की सजा दी जा चुकी है, जो कुल फांसियों का 47.5त्न है। 2024 में ड्रग्स के ताजीर मामलों में 122 लोगों को फांसी दी गई।

भारत पर टैरिफ लगाकर फंसे ट्रंप... अमेरिकी सीनेटर बोले- 'US-India संबंधों को खतरे में डाला

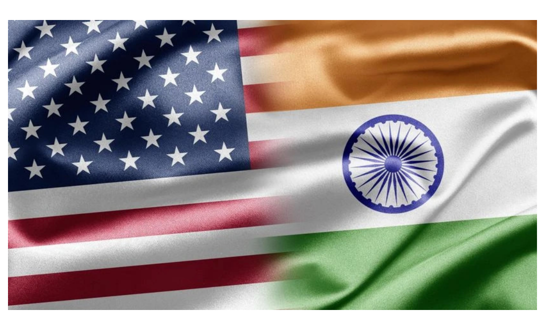

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर 50 फीसदी टैरिफ लगाने का एलान किया है। ट्रंप भले ही ट्रेड डील के लिए भारत पर टैरिफ लगाकर दबाव बनाने की कोशिश कर रहे हों, लेकिन उनके अपने ही देश में इस फैसले को समर्थन नहीं मिल रहा है। अमेरिकी सीनेटर ट्रंप के फैसले की आलोचना कर रहे हैं और इसे भारत-अमेरिका संबंधों के लिए खतरा बता रहे हैं।

हाउस फॉरेन अफेयर्स कमेटी डेमोक्रेट्स ने चेतावनी दी है कि ट्रंप का फैसला सावधानीपूर्वक विकसित किए गए भारत-अमेरिका संबंधों के लिए खतरा है। उन्होंने कहा कि किसी भी चिंता का समाधान सम्मानजनक तरीके से किया जाना चाहिए।

ट्रंप पर साधा निशाना- सोशल मीडिया साइट एक्स पर हाउस फॉरेन अफेयर्स कमेटी डेमोक्रेट्स ने एक पोस्ट शेयर की है, जिसमें अमेरिकी रिप्रजेंटेटिव ग्रेगरी मीक्स के बयान का जिक्र किया गया है। इसमें लिखा है, %ट्रंप का हालिया टैरिफ टैन्ट्रम अमेरिका-भारत की साझेदारी को मजबूत बनाने के लिए वर्षों से किए गए प्रयासों को खतरे में डाल रहा है।

उन्होंने लिखा, हमारे बीच गहरे रणनीतिक, आर्थिक और लोगों के बीच पारस्परिक संबंध हैं। चिंताओं का समाधान हमारे लोकतांत्रिक मूल्यों के अनुरूप पारस्परिक सम्मान के साथ किया जाना चाहिए।

हाईकोर्ट में तलाक की अर्जी लेकर पहुंचा शख्स, जज ने उसकी पत्नी की तारीफ में पढ़े कसीदे

नई दिल्ली (एजेंसी)। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने एक शख्स की तलाक की अर्जी को ठुकराते हुए उसकी बीवी की तारीफ में कसीदे पढ़े हैं।

कोर्ट ने कहा कि जिस औरत को पति ने छोड़ दिया, फिर भी वो अपने सास-ससुर की सेवा में जुटी रही, वो आदर्श भारतीय पत्नी की मिसाल है। ऐसी औरत अपनी शक्ति और धर्म में अटल रहती है, जो हिंदू संस्कृति की बुनियाद है।

याचिका दायर करने वाले शख्स की शादी 1998 में हुई थी। वह स्पेशल आर्म्ड फोर्स में कॉन्स्टेबल है। वह 2006 से अपनी बीवी से अलग रह रहा था। उसने तलाक के लिए क्रूरता का हवाला दिया, मगर निचली अदालत ने उसकी अर्जी खारिज कर दी थी। इसके बाद उसने इंदौर हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया।

तलाक के दावे बेहद कमजोर और खोखले- जस्टिस विवेक रूसिया और बिनोद कुमार द्विवेदी की बेंच ने 5 अगस्त को दिए फैसले में कहा कि पति के तलाक के दावे बेहद कमजोर और खोखले हैं। कोर्ट ने देखा कि पत्नी ने पति के छोड़ने के बावजूद अपने सास-ससुर की पूरी देखभाल की।

बेंच ने कहा, वो उनके साथ उतनी ही मोहब्बत और सेवा से पेश आई, जितना वो पति के साथ रहते हुए करती। ये उसकी नैतिक मजबूती को दर्शाता है।

कोर्ट ने आगे कहा, वो अपनी तकलीफों को सहन करती रही, मगर उसने इसे सहानुभूति बटोरने के लिए इस्तेमाल नहीं किया। उसने अपनी शक्ति को अंदर समेटा और हिंदू औरत की शक्ति का आदर्श पेश किया, न कमजोर, बल्कि धैर्य और गरिमा से भरी। कोर्ट ने ये भी कहा कि ऐसी औरत मंगलसूत्र और सिंदूर जैसे शादी के प्रतीकों को नहीं छोड़ती, क्योंकि उसके लिए शादी सिर्फ एक कॉन्ट्रैक्ट नहीं, बल्कि एक पवित्र संस्कार है।

NEP विवाद के बीच CM स्टालिन का बड़ा फैसला, तमिलनाडु में लागू की दो-भाषा नीति

नई दिल्ली (एजेंसी)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने राज्य की नई शिक्षा नीति की घोषणा करते हुए कहा कि यह नीति राज्य की पहचान को ध्यान में रखते हुए बनाई गई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि राज्य में केवल दो-भाषा नीति लागू होगी और राष्ट्रीय शिक्षा नीति को नहीं अपनाया जाएगा।

स्टालिन ने अन्ना शताब्दी पुस्तकालय सभागार में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि शिक्षा का उद्देश्य रटने की बजाय सोचने और समझने की क्षमता विकसित करना होना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने ऐलान किया कि अब पढ़ाई के साथ-साथ शारीरिक शिक्षा को भी अहमियत दी जाएगी।

स्टालिन ने कहा, हमारी शिक्षा नीति में रटकर पास होने की जगह सोचकर सीखने पर जोर होगा। हम दो-भाषा नीति को ही अपनाएंगे और यह हमारी अटल नीति है।

बता दें, तमिलनाडु सरकार लंबे समय से केंद्र की राष्ट्रीय शिक्षा नीति का विरोध करती रही है। राज्य सरकार का कहना है कि यह नीति सामाजिक न्याय के खिलाफ है और हिंदी थोपने का एक प्रयास है। इसी कारण राज्य ने NEP को अपनाने से इनकार कर दिया है।

बाइक का किराया न देने पर दलित युवक को किया अगवा, कमरे में बंद कर बेरहमी से पीटा

नई दिल्ली (एजेंसी)। तिरुपति में एक दलित युवक को बाइक का किराया न चुका पाने की भारी कीमत चुकानी पड़ी है। तीन लोगों ने उसे अगवा कर बुरी तरह पीटा। यह मामला तब सामने आया जब घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

घटना बुधवार की है। पुलिस के मुताबिक, पवन नाम के युवक ने कुछ समय पहले एक बाइक किराए पर ली थी, लेकिन वह लंबे समय से किराया नहीं दे रहा था। इसी बात को लेकर बाइक मालिक ने उसे अगवा कर लिया।

कमरे में बंद कर की पिटाई- उन्होंने पवन को एक कमरे में बंद किया और उसकी पिटाई की। इस पूरी घटना का वीडियो अब सोशल मीडिया पर तेजी से फैल रहा है। पवन के रिश्तेदार भास्कर ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। इसके बाद पुलिस ने तीनों आरोपियों को हिरासत में ले लिया। वीडियो में वो तीनों पवन की पिटाई करते दिख रहे हैं।

किन धाराओं में मामला हुआ दर्ज- पुलिस ने बताया कि आरोपियों पर भारतीय न्याय संहिता की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। इनमें हत्या की कोशिश, अपहरण और अवैध रूप से बंदी बनाना शामिल है।

ऐसा लग रहा आप दूसरे एअरलाइन के हित में..., सुप्रीम कोर्ट ने एअर इंडिया की सुरक्षा ऑडिट की मांग वाली याचिका को किया खारिज

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को एक जनहित याचिका को सुनने से इनकार कर दिया है। इस याचिका में एअर इंडिया की सुरक्षा और रखरखाव के मानकों की स्वतंत्र जांच के लिए एक कमेटी बनाने की मांग थी।

इस कमेटी की अगुवाई सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जज से कराने की गुजारिश थी। याचिका में मांग की गई थी कि इंटरनेशनल सिविल एविएशन ऑर्गनाइजेशन से मान्यता प्राप्त किसी अंतरराष्ट्रीय विमानन सुरक्षा एजेंसी से एअर इंडिया के पूरे बेड़े का सुरक्षा ऑडिट कराया जाए। यह याचिका पिछले महीने जून में हुए एक दर्दनाक हादसे के बाद दाखिल की गई थी, जिसमें एअर इंडिया की फ्लाइट 171 क्रैश हो गई थी।

यह हादसा अहमदाबाद से लंदन जा रहे बोइंग 787 ड्रीमलाइनर के साथ हुआ। इस हादसे में 241 यात्रियों में से सिर्फ एक जिंदा बचा। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता से सवाल किया कि आखिर यह मांग सिर्फ एअर इंडिया के लिए क्यों की जा रही है। कोर्ट ने कहा, सिर्फ एअर इंडिया क्यों? बाकी एअरलाइंस का क्या? क्या उनके साथ सुरक्षा की कोई समस्या नहीं है?

कोर्ट ने याचिका को स्वीकार करने से मना कर दिया और याचिकाकर्ता की मंशा पर सवाल उठाए। कोर्ट ने सख्त लहजे में कहा, यह बहुत ही दुखद हादसा था, लेकिन सिर्फ एक त्रासदी की वजह से क्या आप एक ही एअरलाइन को निशाना बनाएंगे? ऐसा न लगे कि आप किसी दूसरी निजी एअरलाइन के हित में काम कर रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता को सलाह दी कि वह अपनी शिकायत पहले डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन या केंद्र सरकार के सामने रखे।

कोर्ट ने कहा, अगर आप विमानन सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं, तो छ्त्रष्ट या सरकार से बात करें। सभी एअरलाइंस, चाहे देसी हों या विदेशी, उनकी जांच की मांग करें।

जहां आपने सीट चोरी का आरोप लगाया, वहां सबसे ज्यादा सीटें जीती कांग्रेस; राहुल गांधी के आरोपों पर BJP का पलटवार

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने शुक्रवार को कांग्रेस के बड़े नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर जोरदार हमला बोला है। उन्होंने राहुल पर चुनाव आयोग के खिलाफ गलत आरोप लगाने और संवैधानिक संस्थाओं को निशाना बनाने का आरोप लगाया।

भूपेंद्र यादव ने कहा कि राहुल गांधी झूठ फैलाकर देश की जनता को गुमराह कर रहे हैं। यह बयान राहुल के उस दावे के जवाब में आया, जिसमें उन्होंने 2024 के लोकसभा चुनावों को बीजेपी के फायदे के लिए चुनावी नाटक कहा था। इसके साथ ही महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में भी वोटों की धांधली का आरोप लगाया था। केंद्रीय मंत्री ने राहुल के दावों की सच्चाई पर सवाल उठाते हुए कहा कि उनकी बातें तथ्यों से कोसों दूर हैं। राहुल ने दावा किया था कि महाराष्ट्र में 1 करोड़ नए वोटर जुड़े, लेकिन चुनाव आयोग के मुताबिक, सिर्फ 40 लाख वोटरों की बढ़ोतरी हुई। यह राहुल के दावे से 60त्न कम है। भूपेंद्र यादव ने तंज कसते हुए कहा, महाराष्ट्र में जहां-जहां वोट बढ़े, वहां-वहां कांग्रेस ने ज्यादातर सीटें जीतीं है।

राहुल गांधी का वोट धांधली का आरोप- राहुल गांधी ने 7 अगस्त को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में दावा किया था कि 2024 के लोकसभा चुनावों में बीजेपी को फायदा पहुंचाने के लिए चुनाव आयोग ने चुनावी खेल रचा। उन्होंने कर्नाटक की महादेवपुरा सीट का जिक्र करते हुए कहा कि वहां 1,00,250 वोटों की चोरी हुई।

राहुल ने कहा कि उनकी पार्टी को कर्नाटक में 16 सीटें जीतने की उम्मीद थी, लेकिन सिर्फ 9 सीटें मिलीं। उन्होंने महादेवपुरा में वोटों की गड़बड़ी का दावा करते हुए कहा कि डुप्लिकेट वोटर, फर्जी पते और एक ही पते पर कई वोटरों का रजिस्ट्रेशन हुआ।

राहुल ने कहा, हमारी आंतरिक सर्वे में 16 सीटें जीतने की बात थी, लेकिन हमें 9 मिलीं। हमने सात हारी हुई सीटों की जांच की और महादेवपुरा पर ध्यान दिया। वहां कुल 6.26 लाख वोट पड़े। बीजेपी ने 6,58,915 वोटों से जीत हासिल की, जिसमें 32,707 वोटों का अंतर था।

उज्जवला कंज्यूमर को सब्सिडी, एलपीजी उपभोक्ताओं के लिए भी एलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। मोदी सरकार की केंद्रीय कैबिनेट ने रक्षाबंधन से पहले महिलाओं को बड़ा तोहफा दिया है। केन्द्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में शुक्रवार को एलपीजी सब्सिडी के लिए प्रधानमंत्री उज्जवला योजना के लिए 12,060 करोड़ मंजूरी दी गई।

तकनीकी शिक्षण संस्थानों के लिए 42 हजार करोड़ की मंजूरी- वहीं, सस्ती रसोई गैस के लिए 30 हजार करोड़ रुपये की मंजूरी दी गई। इसके अलावा तकनीकी शिक्षण संस्थानों के लिए 42 हजार करोड़ की मंजूरी दी गई। सब्सिडी देने का उद्देश्य बाजार की कीमत से कम कीमत पर रसोई गैस बेचने वाली सरकारी तेल कंपनियों को होने वाले नुकसान की भरपाई करना है।

प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना की शुरुआत मई 2016 में देश भर के गरीब परिवारों की वयस्क महिलाओं को मुफ्त एलपीजी कनेक्शन प्रदान करने के लिए की गई थी। 1 जुलाई तक, भारत में लगभग 10.33 करोड़ पीएमयूवाई कनेक्शन हैं।

एक आधिकारिक बयान में कहा गया है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) के लाभार्थियों को प्रति वर्ष 9 रीलों (और 5 किलो के सिलेंडर के लिए आनुपातिक रूप से) तक 14.2 किलोग्राम के सिलेंडर पर 300 रुपये की लक्षित सब्सिडी को मंजूरी दे दी है। इस पर 12,000 करोड़ रुपये का खर्च आएगा।÷ भारत अपनी एलपीजी ज़रूरत का लगभग 60 प्रतिशत आयात करता है।

मंत्रिमंडल ने तमिलनाडु में मरक्किनम- पुडुचेरी (46 किमी) मार्ग को चार लेन में विकसित करने की मंजूरी दी, जिसे 2,157 करोड़ की कुल पूंजी लागत पर निर्मित किया जाएगा।

दैनिक हिन्दकुश

hindkush.in
24x7 News portal

सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित

jagrayam.com
online news magazine

हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

हिन्दकुश
हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

विक्रम संवत 2079 शुक्ल पूर्णिमा

संपादकीय

भैया मेरे राखी के बंधन को निभाना ....

भारत में वर्ष 1959 में रिलीज हुई हिंदी फीचर फिल्म छोटी बहन का गीत, भैया मेरे राखी के बंधन को निभाना और 1971 में रिलीज हुई फिल्म बेईमानका गीत ये राखी बंधन है ऐसा, जैसे गीतों को सुने बिना रक्षाबंधन का त्योहार अधूरा सा लगता है। यही कारण है कि हमें पिछले एक सप्ताह से राखी व अन्य बाजारों में रौनक के साथ उपरोक्त दोनों गीतों सहित अनेक रक्षाबंधन के गीत सुनाई दे रहे हैं, जो दशकों पूर्व के हैं परंतु आज भी ध्यान आकर्षित करते हैं, क्योंकि यह रक्षाबंधन त्योहार ही ऐसा है कि भाई बहन की डोर से रिश्तो में अटल मजबूती आ जाती है। भारत विविधताओं का देश है,जहां प्रत्येक क्षेत्र, धर्म और परंपरा में त्योहारों का विशेष स्थान है। इन त्योहारों का उद्देश्य केवल धार्मिक अनुष्ठान भर नहीं होता, बल्कि यह समाज में आपसी प्रेम, एकता, सामूहिक चेतना और मानवीय मूल्यों को बढ़ावा देने का कार्य भी करते हैं। इन्हीं पावन पर्वों में से एक अत्यंत महत्वपूर्ण और लोकप्रिय त्योहार है रक्षाबंधन,जिसे आम भाषा में राखी भी कहा जाता है।रक्षाबंधन, भाई-बहन के प्रेम और विश्वास का पवित्र पर्व, इस साल 9 अगस्त 2025 को असाधारण रूप से खास है।

साथियों बात अगर हम इस वर्ष राखी उत्सव की करें तो श्रावण शुक्ल पूर्णिमा को मनाया जाने वाला यह त्योहार इस बार 95 साल बाद एक दुर्लभ ज्योतिषीय संयोग के साथ आ रहा है, जो इसे ऐतिहासिक और आध्यात्मिक रूप से विशेष बनाता है। सौभाग्य योग, सर्वार्थ सिद्धि योग, और श्रवण नक्षत्र का संयोग इस दिन को समृद्धि, सुख, और आध्यात्मिक उन्नति का प्रतीक बनाता है। इसके अलावा, इस बार भद्रा का साया भी नहीं रहेगा, जिससे राखी बांधने का समय और भी शुभ हो गया है।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र मेरा व्यक्तिगत मानना है कि आज की नई युवा पीढ़ी या नई यंग जनरेशन को हमारे हर भारतीय त्योहारों का महत्व समझाने की अति आवश्यकता है, क्योंकि मैं देख रहा हूं कि युवाओं के हृदय में आज त्योहारों के प्रति वह भाव नहीं दिख रहें हैं जो दशकों पूर्व के युवाओं में देखे थे जो आज बूढ़े हो चुके हैं। यानें वर्तमान डिजिटल युग में हमारे युवा, त्योहारों की मर्यादा व गरिमा को कुछ हद तक भूलते जा रहे हैं, क्योंकि आज जमाना आ गया है सब कुछ ऑनलाइन होता जा रहा है, जबकि मेरा मानना है कि सभी त्योहारों को हमारी भारतीय संस्कृति मुहूर्त बेला से करना चाहिए। वैसे भी इस बार रक्षाबंधन राखी 09 अगस्त 2025 को ही आ रहा है। चूंकि राखी एक ऐसा त्यौहार है जो, दुनियां में जब तक चंदा बादल धरती आकाश रहेगा, भाई बहन का प्यार मौजूद रहेगा व बहन का हमेशा सम्मान व रक्षा का प्रण लेना होगा,चूँकि राखी के खुशी वाले दिन भाई के भर-भर आए नैना,कदर बहन की उनसे पूछो जिनकी नहीं है कोई बहना, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी व स्वयं के विचारों के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, अमर प्रेम है भाई बहन का..यह राखी बंधन है ऐसा....युवाओं को त्योहारों का महत्व समझने की जरूरत है।

साथियों बात अगर हम रक्षाबंधन राखी महोत्सव 09 अगस्त 2025 की करें तो रक्षाबंधन, भारतीय सांस्कृतिक और धार्मिक परंपरा का महत्वपूर्ण त्योहार है,जिसे भाई बहन के रिश्ते को मजबूत करने के लिए मनाया जाता है। यह त्योहार हर साल श्रावण मास की पूर्णिमा को बड़े धूमधाम से मनाया जाता है। इस दिन बहनें अपने भाइयों की कलाई पर राखी बांधती हैं और उनके लंबी उम्र और खुशहाली की कामना करती हैं, जबकि भाई अपनी बहनों को उपहार देकर उन्हें सुरक्षा का आश्वासन देते हैं।

श्यामलाल गुप्त

श्यामलाल गुप्त 'पार्षद' भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के एक सेनानी, पत्रकार, समाजसेवी एवं अध्यापक थे। श्यामलाल गुप्त 'पार्षद, भारतीय स्वतन्त्रता संग्राम के दौरान उत्प्रेरक झण्डा गीत विजयी विश्व तिरंगा प्यारा के रचयिता थे।

जीवन परिचय

श्यामलाल गुप्त का जन्म 16 सितम्बर, 1893 को कानपुर ज़िले के नरवल कस्बे में साधारण व्यवसायी विश्वेश्वर गुप्त के घर पर हुआ था। ये अपने पांच भाइयों में सबसे छोटे थे। इन्होंने मिडिल की परीक्षा के बाद विशारद की उपाधि हासिल की। जिसके पश्चात् ज़िला परिषद तथा नगरपालिका में अध्यापक की नौकरी प्रारंभ की परन्तु दोनों जगहों पर तीन साल का बॉन्ड (अनुबंध) भरने की नौबत आने पर नौकरी से त्यागपत्र दे दिया। वर्ष 1921 में गणेश शंकर विद्यार्थी के संपर्क में आये तथा राष्टीय स्वतंत्रता आन्दोलन में सहभागिता की। आपने एक व्यंग्य रचना लिखी जिसके लिये तत्कालीन अंग्रेज़ी सरकार ने आपके उपर 500 रुपये का जुर्माना लगाया। आपने वर्ष 1924 में झंडागान की रचना की जिसे 1925 में कानपुर में कांग्रेस के सम्मेलन में पहली बार झंडारोहण के समय इस गीत को सार्वजनिक रूप से सामूहिक रूप से गाया गया। यह झंडागीत इस प्रकार है-

विजयी विश्व तिरंगा प्यारा

झंडा उंचा रहे हमारा
सदा शक्ति बरसाने वाला
वीरों को हर्षाने वाला
शांति सुधा सरसाने वाला
मातृभूमि का तन मन सारा
झंडा उंचा रहे हमारा ...पूरा पढ़ने के लिए क्लिक करें

कार्यक्षेत्र

वे बचपन से ही प्रतिभासंपन्न थे। प्रकृति ने उन्हें कविता करने की क्षमता सहज रूप में प्रदान की थी। जब वे पाँचवी कक्षा में थे तब उन्होंने यह कविता लिखी -

परोपकारी पुरुष मुहिम में पावन पद पाते देखे, उनके सुंदर नाम स्वर्ण से सदा लिखे जाते देखे।

प्रथम श्रेणी में मिडिल पास होने के बाद उन्होंने पिता के कारोबार में सहयोग देना आरंभ कर दिया। साथ ही किसी प्रकार पढ़ाई भी जारी रखी और हिंदी साहित्य सम्मेलन की विशारद परीक्षा भी उत्तीर्ण कर ली। 15 वर्ष की अवस्था से ही वे हरिगीतिका, सवैया, घनाक्षरी आदि छंदों में सुंदर रचना करने लग गए थे। पार्षदजी की साहित्यिक प्रतिभा और देशभक्ति की भावना ने उन्हें पत्रकारिता की ओर उन्मुख कर दिया। उन्होंने सचिव नामक मासिक पत्र का प्रकाशन संपादन आरंभ कर दिया। सचिव के प्रत्येक अंक के मुखपृष्ठ पर पार्षदजी की निम्न पंक्तियाँ प्रमुखता से प्रकाशित होती थीं-

राम राज्य की शक्ति शांति सुखमय स्वतंत्रता लाने को

लिया सचिव ने जन्म देश की परतंत्रता मिटाने को

झंडागीत की रचना

सन 1923 में फ़तेहपुर ज़िला काँग्रेस का अधिवेशन हुआ। सभापति के रूप में पधारे मोतीलाल नेहरू को अधिवेशन के दूसरे दिन ही आवश्यक कार्य से बंबई जाना पड़ा। उनके स्थान पर सभापतित्व संभालने वाले गणेश शंकर विद्यार्थी को अंग्रेज़ सरकार के विरोध में भाषण देने के कारण जेल जाना पड़ा। काँग्रेस ने उस समय तक झंडा तो तिरंगा झंडा तय कर लिया था पर जन-मन को प्रेरित कर सकने वाला कोई झंडागीत नहीं था। श्री गणेश शंकर विद्यार्थी पार्षद जी की देशभक्ति और काव्य-प्रतिभा दोनों से ही प्रभावित थे, उन्होंने पार्षदजी से झंडागीत की रचना करने को कहा। काव्य-रचना ऐसी चीज़ तो है नहीं कि जब चाहा हो गई। पार्षदजी परेशान, समय सीमा में कैसे लिखा जाए? काग़ज-कलम लेकर लिखने बैठ गए। रात को नौ बजे कुछ शब्द काग़ज़ पर उतरने शुरू हो गए। कुछ समय बाद एक गीत तैयार हो गया जो इस प्रकार था-

राष्ट्र गगन की दिव्य ज्योति राष्ट्रीय पताका नमो नमो।

रचना बन गई थी, अच्छी भी थी, पर पार्षदजी को लगा बात बनी नहीं। लगा, गीत सामान्य जन-समुदाय के लिए उपयुक्त नहीं था। थककर वह लेट गए। पर व्यग्रता के कारण नींद नहीं आई। जागते-सोते, करवटें बदलते-बदलते रात दो बजे लगा- जैसे रचना उमड़ रही है। वह उठकर लिखने बैठ गए। कलम चल पड़ी। स्वयं पार्षदजी के अनुसार, ÷गीत लिखते समय मुझे यही महसूस होता था कि भारत माता स्वयं बैठकर मुझे एक-एक शब्द लिखा रही है। इस तरह उनकी कलम से निकला ''विजयी विश्व तिरंगा प्यारा, झंडा ऊंचा रहे हमारा।'' इस गीत को लेकर पार्षद जी अगले दिन सुबह ही विद्यार्थी जी के पास पहुंच गए। गणेश शंकर विद्यार्थी को यह गीत बहुत पसंद आया और उन्होंने पार्षद जी की जमकर तारीफ की। इसके बाद यह गीत महात्मा गांधी के पास भेजा गया जिन्होंने इसे छोटा करने की सलाह दी। सन 1938 में कांग्रेस के हरिपुरा अधिवेशन में अध्यक्ष के रूप में नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने इसे झंडा गीत के रूप में स्वीकार किया और उनके साथ मौजूद पांच हजार से अधिक लोगों ने इसे पूरे जज्बे के साथ गाया। पार्षद जी के बारे में अपने उद्गार व्यक्त करते हुए नेहरू जी ने कहा था- भले ही लोग पार्षदजी को नहीं जानते होंगे परंतु समूचा देश राष्ट्रीय ध्वज पर लिखे उनके गीत से परिचित है।

स्वतंत्रता संग्राम में योगदान

अमर शहीद गणेश शंकर विद्यार्थी और साहित्यकार प्रताप नारायण मिश्र के सान्निध्य में आने पर श्यामलाल जी ने अध्यापन, पुस्तकालयाध्यक्ष और पत्रकारिता के विविध जनसेवा कार्य किए। पार्षद जी 1916 से 1947 तक पूर्णतः समर्पित कर्मठ स्वतंत्रता संग्राम सेनानी रहे। गणेशजी की प्रेरणा से आपने फ़तेहपुर को अपना कार्यक्षेत्र बनाया और बाद में अपनी लगन और निष्ठा के आधार पर सन 1920 में वे फ़तेहपुर ज़िला काँग्रेस के अध्यक्ष बने। इस दौरान नमक आंदोलन तथा भारत छोड़ो आंदोलन का प्रमुख संचालन किया तथा ज़िला परिषद कानपुर में भी वे 13 वर्षों तक रहे। असहयोग आंदोलन में भाग लेने के कारण पार्षदजी को रानी यशोधर के महल से 21 अगस्त 1921 को गिरफ़्तार किया गया। ज़िला कलेक्टर द्वारा उन्हें दुर्दांत क्रांतिकारी घोषित करके केंद्रीय कारागार आगरा भेज दिया गया। 1930 में नमक आंदोलन के सिलसिले में पुनः गिरफ़्तार हुए और कानपुर जेल में रखे गए। पार्षदजी सतत स्वतंत्रता सेनानी रहे और 1932 में तथा 1942 में फरार रहे। 1944 में आप पुनः गिरफ़्तार हुए और जेल भेज दिए गए। इस तरह आठ बार में कुल छः वर्षों तक राजनैतिक बंदी रहे। स्वाधीनता आंदोलन में भाग लेने के दौरान वे चोटी के राष्ट्रीय नेताओं- मोतीलाल नेहरू, महादेव देसाई, रामनरेश त्रिपाठी और अन्य नेताओं के संपर्क में आए।

समाज सेवा

राजनीतिक कार्यों के अलावा पार्षदजी सामाजिक कार्यों में भी अग्रणी रहे। उन्होंने दोसर वैश्य इंटर कालेज एवं अनाथालय, बालिका विद्यालय, गणेश सेवाश्रम, गणेश विद्यापीठ, दोसर वैश्य महासभा, वैश्य पत्र समिति आदि की स्थापना एवं संचालन किया। इसके साथ ही स्त्री शिक्षा व दहेज विरोध में आपने सक्रिय योगदान किया। आपने विधवा विवाह को सामाजिक मान्यता दिलाने में सक्रिय योगदान किया। पार्षदजी ने वैश्य पत्रिका का जीवन भर संपादन किया। रामचरितमानस उनका प्रिय ग्रंथ था। वे श्रेष्ठ मानस मर्मज्ञ तथा प्रख्यात रामायणी भी थे। रामायण पर उनके प्रवचन की प्रसिद्ध दूर-दूर तक थी। भारत के प्रथम राष्टपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद जी को उन्होंने संपूर्ण रामकथा राष्टपति भवन में सुनाई थी। नरवल, कानपुर और फतेहपुर में उन्होंने रामलीला आयोजित की। भारत भूमि से उनका प्रेम आज़ादी के बाद उत्पन्न हुई परिस्थितियों में उन्होंने एक नये गीत की रचना 1972 में की जिसे 12 मार्च को लखनऊ के कात्यायिनी कार्यक्रम में सुनाया।

सरकार ने दी LPG सिलेंडर पर 30000 करोड़ रुपये की सब्सिडी

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने घरेलू एलपीजी की बिक्री पर हुए घाटे के लिए 3 सार्वजनिक क्षेत्र की ऑयल मार्केटिंग कंपनियों (आईओसीएल, बीपीसीएल और एचपीसीएल) को 30,000 करोड़ रुपये की क्षतिपूर्ति राशि को मंजूरी दे दी है। ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने ईंधन की ऊंची वैश्विक कीमतों के बावजूद सिलेंडर की कीमतों को अपरिवर्तित रखा था, जिससे एलपीजी की भारी अंडर-रिकवरी ने उनके मुनाफे को प्रभावित किया। देश घरेलू एलपीजी खपत के लिए अधिकांश आयात पर निर्भर है।

तेल कंपनियों को हुआ 30,000 करोड़ रुपये का घाटा- तेल विपणन कंपनियों को अप्रैल-दिसंबर 2024 के दौरान लगभग 30,000 करोड़ रुपये का एलपीजी घाटा हुआ, जो अंतरराष्ट्रीय ईंधन की ऊंची कीमतों के कारण हुआ। वित्तीय दबाव को देखते हुए, तेल मंत्रालय ने 2025 के बजट से पहले वित्त मंत्रालय से संपर्क किया था और इन घाटे को कम करने के लिए सब्सिडी की मांग की थी।

हरदीप सिंह पुरी ने दिया था बयान- पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा था कि पेट्रोल-डीजल के साथ एलपीजी गैस सस्ती हो सकती है। ऐसे में आने वाले समय में पेट्रोल डीजल के साथ एलपीजी के दामों में गिरावट देखने को मिल सकती है।

30,000 करोड़ की इस सब्सिडी से इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन, भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन जैसी कंपनियों को लक्षि फायदा होगा। ये वे कंपनियां हैं जो घरेलू सामर्थ्य बनाए रखने के लिए वैश्विक मूल्य उतार-चढ़ाव का खामियाजा भुगतती हैं।

इस पूंजीगत सहायता के माध्यम से, सरकार मुद्रास्फीति के दबाव और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के बीच उपभोक्ताओं को मूल्य वृद्धि से बचाना चाहती है। हालांकि, इस खबर को लिखते समय तक इस संबंध में सरकार की ओर से किसी भी तरह की कोई जानकारी नहीं मिली है। और ना ही पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय द्वारा कोई आधिकारिक पुष्टि जारी की गई है।

96 पैसे का स्टॉक 1300 के पार

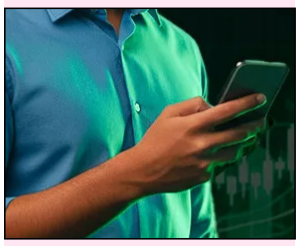

नई दिल्ली (एजेंसी)। जितनी छोटी कंपनी, उतना बड़ा शेयर। ये बात सौभाग्य मर्केंटाइल लिमिटेड पर एकदम सटीक बैठती है। क्योंकि, यह स्मॉलकैप कंपनी है और इसका मार्केट कैप 625 करोड़ रुपए है। लेकिन इसने कम समय में मल्टीबैगर रिटर्न देकर निवेशकों को करोड़पति बना दिया है।

पिछले एक महीने में आए दिन इसमें अपर सर्किट लग रहा है और हर दिन ऑल टाइम हाई का रिकॉर्ड बना रहा है। शुक्रवार को यह स्टॉक क्रस्थ पर 743.80 रुपए के साथ ओपन हुआ, जिसमें मार्केट खुलते ही 5 फीसदी के जबरदस्त उछाल के साथ अपर सर्किट लग गया। यह इसका ऑल टाइम हाई भी रहा।

सौभाग्य मर्केंटाइल का शेयर असली मल्टीबैगर स्टॉक साबित हुआ है। क्योंकि, इसने पिछले एक महीने में 36त, छह महीने में 176त, एक साल में 1400त और पांच साल में 77,000त का मल्टीबैगर रिटर्न दे चुका है। बता दें कि कंपनी का रेवेन्यू करीब 160 करोड़ और नेट प्रॉफिट 16 करोड़ रुपए से ज्यादा है।

10 हजार के बनाए 77 लाख रुपए- पांच साल पहले सौभाग्य मर्केंटाइल लिमिटेड के एक शेयर की कीमत सिर्फ 96 पैसे थी, जो आज 743 रुपए के पार पहुंच गई है। इस बात का अंदाजा आप इसी से लगा सकते हैं कि अगर आपने पांच साल पहले कंपनी में 10 हजार रुपए इन्वेस्ट किए होते तो आज उसकी वैल्यू 77.40 लाख रुपए होती।

क्या हाउसवाइफ को भी भरना चाहिए ITR? क्या है इसे लेकर नियम; मिलते हैं ये फायदे

नई दिल्ली (एजेंसी)। 15 सितंबर तक आईटीआर फाइल करने की आखिरी तारीख है। इसके बाद फाइल करने पर टैक्सपेयर को भारी जुर्माना चुकाना पड़ सकता है। इसलिए सब अंत में होने वाली परेशानी से बचने के लिए अभी से ही आईटीआर फाइल करने लगे हैं।

ऐसे में आईटीआर से जुड़े कई सवाल उठते हैं। इनमें से ही एक प्रश्न ये है कि क्या हाउसवाइफ को आईटीआर फाइल करना चाहिए और इसके क्या लाभ है?

क्या हाउसवाइफ को ITR Filing करनी चाहिए- इनकम टैक्स के नियम के अनुसार कोई भी व्यक्ति जिनकी इनकम टैक्स दायरे में नहीं आती या जो इनकम नहीं कमाता। वे आईटीआर फाइल कर सकता है। इसे जीरो रिटर्न फाइल कहते हैं। क्योंकि इसमें हम जीरो इनकम पर आईटीआर फाइल करते हैं।वहीं ऐसे भी टैक्सपेयर्स होते हैं, जिनकी इनकम टैक्स दायरे के अंतर्गत नहीं आती। अगर ऐसे टैक्सपेयर्स आईटीआर फाइल करें, तो इसे भी जीरो रिटर्न कहा जाता है। अब जानते हैं कि जीरो रिटर्न करने से क्या-क्या फायदे हो सकते हैं।

लोन मिलना आसान- आपकी ये आदत लोन मिलने में आसानी कर सकता है। क्योंकि लोन वक्त बैंक यहीं देखता है कि उधारकर्ता उधार चुकाने के कितने सक्षम है। वहीं कई बैंक में लोन लेते वक्त पिछले तीन साल के आईटीआर फाइलिंग मांगी जाती है। ऐसे में आईटीआर फाइल करना जरूरी हो जाता है।

हो सकता है कि आप और आपके पति साथ मिलकर ज्वाइन लोन के लिए अप्लाई करें। ऐसे में आपका आईटीआर फाइल करना बैंक वालों के ग्रीन सिंगल हो सकता है।

मोदी सरकार ने लोकसभा से वापस लिया इनकम टैक्स विधेयक, 11 अगस्त को पेश होगा नया विधेयक

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने आयकर विधेयक, 2025 को औपचारिक रूप से वापस ले लिया है, जिसे मौजूदा आयकर अधिनियम, 1961 को प्रतिस्थापित करने के लिए 13 फरवरी को लोकसभा में पेश किया गया था। विधेयक का नया संस्करण सोमवार 11 अगस्त को लोकसभा में पेश किया जाएगा। इसमें भाजपा सांसद बैजयंत पांडा की अध्यक्षता वाली प्रवर समिति द्वारा की गई अधिकांश सिफारिशें शामिल हैं।

केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण ने क्या कहा- विधेयक वापस लेने का कारण बताते हुए, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा, सरकार ने आयकर विधेयक, 2025 को 13 फरवरी, 2025 को लोकसभा में पेश किया था और उसी दिन इसे जाँच के लिए प्रवर समिति के पास भेज दिया गया था। प्रवर समिति ने 21 जुलाई, 2025 को अपनी रिपोर्ट लोकसभा में प्रस्तुत कर दी है। प्रवर समिति की लगभग सभी सिफ़ारिशें सरकार द्वारा स्वीकार कर ली गई हैं। अन्य स्रोतों से भी सुझाव प्राप्त हुए हैं जिन्हें सही विधायी अर्थ प्रदान करने के लिए शामिल किया जाना आवश्यक है।

प्रवर समिति की रिपोर्ट के अनुसार आयकर विधेयक, 2025 को वापस लेने का निर्णय लिया है। उन्होंने कहा, समय आने पर लोकसभा में एक नया विधेयक पेश किया जाएगा जो आयकर अधिनियम, 1961 का स्थान लेगा।

इशारों-इशारों में ट्रंप को चेतावनी! ChatGPT के CEO का बड़ा बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इस समय पूरी दुनिया में चर्चा का विषय बने हुए है। बड़े-बड़े देशों के न्यूज़ चैनलों से लेकर अखबारों तक में ट्रंप ही छाए हुए हैं। कारण है उनके द्वारा लगाया गया टैरिफ। टैरिफ वाले देशों में सबसे ज्यादा चर्चा भारत की हो रही है। क्योंकि ट्रंप ने भारत पर रूस से तेल खरीदने के लिए 25 फीसदी अधिक टैरिफ लगाकर 50 फीसदी कर दिया है। भारत ने अपने स्तर पर ट्रंप के टैरिफ का कड़ा विरोध किया और उचित कदम उठाने की बात कही। इन सबके बीच अमेरिकी AI कंपनी ChatGPT के CEO सैम अल्टमैन ने भारत के पक्ष में बड़ा बयान दिया है। उनके बयान से ऐसा लग रहा है कि वह ट्रंप को चेता रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत हमारा सबसे बड़ा मार्केट है।

चैटजीपी के सीईओ सैम अल्टमैन ने कहा कि भारत दुनिया में अमेरिका के बाद हमारा दूसरा सबसे बड़ा बाजार है, और यह हमारा सबसे बड़ा बाजार भी बन सकता है। उनके इस बयान से साफ हो रहा है कि वह ट्रंप तक यह संदेश पहुंचाना चाहते हैं कि भारत के खिलाफ इस तरह का एक्शन लेने से अमेरिकी कंपनियों को ही नुकसान हो सकता है।

ओपनएआई ने अपने एआई मॉडल का लेटेस्ट वर्जन जीपीटी-5 लॉन्च किया है। यह अब फ्री और पेड चैटजीपीटी उपयोगकर्ताओं के साथ-साथ एपीआई के माध्यम से डेवलपर्स के लिए भी उपलब्ध है। कंपनी ने कहा कि जीपीटी-5 तर्क, गति, सटीकता और गणितीय क्षमता में सुधार लाता है। GPT-5 के लॉन्च कार्यक्रम में OpenAI के सीईओ सैम ऑल्टमैन ने कहा, भारत में उपयोगकर्ता एआई के साथ जो कर रहे हैं, वह उल्लेखनीय है।

प्रोडक्ट लॉन्चिंग के मौके पर सीईओ सैम ऑल्टमैन ने भारतीय बाजार के बढ़ते महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा, अमेरिका के बाद भारत दुनिया में हमारा दूसरा सबसे बड़ा बाजार है, और यह हमारा सबसे बड़ा बाजार भी बन सकता है।

उन्होंने आगे कहा कि भारत में उपयोगकर्ता एआई के साथ जो कर रहे हैं, वह बहुत ही उल्लेखनीय है। ओपनएआई भारत में AI की सामर्थ्य और पहुंच में सुधार के लिए स्थानीय साझेदारों के साथ काम कर रहा है। उन्होंने सितंबर में भारत आने की योजना की भी पुष्टि की। ट्रंप ने इस समय भारत को अपने निशाने पर ले रखा है। लेकिन वह शायद ही इस बात से अंजान है कि टैरिफ वॉर पर उनकी ये चिढ़ अमेरिका को भी नुकसान पहुंचाएगा।

अनिल अंबानी की कंपनी के लिए अच्छी खबर, 11 साल पुराना विवाद खत्म

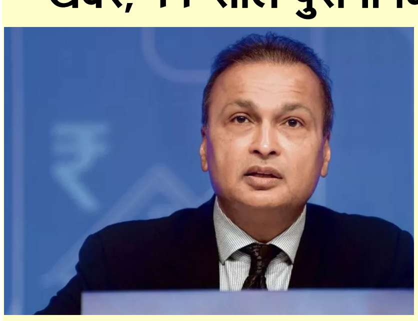

नई दिल्ली (एजेंसी)। पिछले कुछ दिनों से लगातार बुरी खबरों से जूझ रही अनिल अंबानी की कंपनी के लिए अब एक अच्छी खबर आई है। दरअसल, रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर को सुप्रीम कोर्ट से उसकी सहायक कंपनियों, बीएसईएस यमुना पावर और बीएसईएस राजधानी पावर को अगले चार वर्षों में रेगुलेटरी एसेट में करीब- 21,413 करोड़ रुपये की वसूली करने की अनुमति मिल गई है। दिल्ली विद्युत नियामक आयोग ने इन परिसंपत्तियों को मंजूरी दी है, और उपभोक्ताओं से वसूली- संभवतः उच्च बिजली दरों के माध्यम से 1 अप्रैल, 2024 से शुरू होगी। 2014 में शुरू हुए इस पूरे मामले के निपटारे में 11 साल लग गए।

यह बकाया राशि पिछले टैरिफ अंतराल से पैदा हुई है, जहां नियामक द्वारा अनुमोदित बिजली की कीमतें आपूर्ति की पूरी लागत को कवर करने में कम पड़ गई थीं।

दैनिक हिन्दकुश

hindkush.in
24x7 News portal

सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित

jagrayam.com
online news magazine

ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए

हिन्दकुश मीडिया

hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

देवर ने फेंका खौलता तेल, भाभी की इलाज के दौरान मौत

भोपाल। अन्ना नगर चौराहे पर दुकान के सामने अतिक्रमण को लेकर हुए विवाद में गर्म तेल से झुलसी महिला की इलाज के दौरान मौत हो गई। तीन दिन पहले झगड़े के दौरान रिश्ते के देवर ने कड़ाही में रखा गर्म तेल उस पर उड़ेल दिया था, जिससे महिला का 70 प्रतिशत शरीर झुलस गया था। बुधवार रात को उसने हमीदिया अस्पताल में दम तोड़ दिया। वहीं पुलिस ने इस मामले में हत्या की धाराएं बढ़ा दी हैं। घटना के बाद फरार चल रहे तीसरे आरोपी कमलेश प्रजापति को पुलिस ने देवास से गिरफ्तार कर लिया है।

थाना प्रभारी अवधेश सिंह तोमर के अनुसार अन्ना नगर निवासी 40 वर्षीय कांतिबाई प्रजापति और उसका पति मुकेश अन्ना नगर चौराहे पर अंडे का ठेला लगाते हैं, साथ ही पंचर की दुकान भी चलाते हैं। उसी क्षेत्र में रहने वाला उनका रिश्ते का भाई कमलेश प्रजापति बाजू में नाश्ता और किराने की दुकान संचालित करता है। पिछले दिनों कांति और मुकेश ने दुकान के सामने अस्थाई टीन शेड लगा लिया था। इस पर कमलेश ने आपत्ति जताई थी।नाबालिग समेत दो आरोपी गिरफ्तार

वहीं सोमवार को नगरनिगम ने उसे हटाने की कार्रवाई भी की थी। इस बात को लेकर कांतिबाई, उसके पति और बेटे का झगड़ा कमलेश से हुआ था। तब कमलेश के साथ उसका रिश्तेदार विनीत व नाबालिग बेटा भी मौजूद था। दोनों पक्षों में मारपीट हुई, तभी विनीत और कमलेश ने दुकान में रखी तेल की गर्म कड़ाही कांति पर उड़ेल दी। इससे वह 70 प्रतिशत झुलस गई थीं, वहीं विनीत भी गर्म तेल की चपेट में आ गया था। पुलिस ने तीनों पर हत्या के प्रयास का केस दर्ज किया था। नाबालिग समेत दो आरोपितों को पकड़ लिया है। वहीं विनीत का हमीदिया अस्पताल में इलाज चल रहा है।

वाहन जाम में फंसे महिला की मौत के बाद स्वजन आक्रोशित हो गए। पुलिस को सूचना मिली की शासन-प्रशासन के खिलाफ वे अन्ना नगर चौराहे पर महिला का शव रखकर प्रदर्शन करने उतर सकते हैं। इसकी भनक लगते ही पुलिस ने ट्रैफिक पुलिस को डायवर्जन के लिए सूचित किया। जिसके बाद कैरियर कॉलेज से गोविंदपुरा टर्निंग तक दोपहर दो से करीब साढ़े तीन बजे तक आवाजाही बंद कर दी गई।नतीजन अचानक हुए डायवर्जन के कारण लोगों को आवाजाही में काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। गोविंदपुरा से रायसेन रोड और भेल क्षेत्र जाने वालों को घूमकर लंबा रास्ता तय करना पड़ा। वहीं उस तरफ से एमपीनगर और नर्मदापुरम रोड की तरफ जाने वाले वाहन चालक भेल में हेमा स्कूल की ओर से मुड़कर रचना टावर होते हुए रचना नगर अंडरपास की तरफ से आए, जिससे की लंबा ट्रैफिक जाम लगा रहा।

पासपोर्ट बनवाने के लिए नहीं काटने पड़ेंगे चक्कर, यूनिवर्सिटी में तैनात होगी वैन

भोपाल। मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान , भोपाल के छात्रों, स्टाफ और आम नागरिकों के लिए पासपोर्ट बनवाना अब और आसान हो गया है। क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय, भोपाल की ओर से पासपोर्ट सेवा प्रोजेक्ट (पीएसपी) वैन को मैनिट कैंपस में तैनात किया जा रहा है। यह वैन मैनिट के फैकल्टी गेस्ट हाउस परिसर में एक महीने के लिए अपनी सेवाएं देगी।

समय और यात्रा खर्च की होगी बचत-जरूरत और जन सहभागिता के आधार पर इसकी अवधि आगे बढ़ाई जा सकती है। इस सेवा का लाभ छात्रों, संस्थान के कर्मचारियों के साथ आम जनता भी ले सकेगी। इस पहल का उद्देश्य छात्रों को इंटर्नशिप, उच्च शिक्षा या विदेश में रोजगार जैसे भविष्य के अवसरों के लिए पासपोर्ट संबंधी औपचारिकताएं आसानी से पूरी करने में मदद करना है। साथ ही, इससे समय और यात्रा खर्च की भी बचत होगी।

मैनिट प्रशासन ने की अपील-मैनिट प्रशासन ने सभी छात्रों, शिक्षकों और अन्य कर्मचारियों से इस सुविधा का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की है। अधिक जानकारी के लिए क्षेत्रीय पासपोर्ट कार्यालय, भोपाल द्वारा जारी पत्र को देखा जा सकता है। यह सुविधा शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन संचालित राष्ट्रीय महत्व के संस्थान मैनिट में दी जा रही है।

अब एमपी में गिरा स्कूल की छत का प्लास्टर, छात्र के सिर से इतना खून बहा कि यूनिफार्म हो गई लाल

उमरिया। मुख्यालय से सटे कोयलारी गांव के शासकीय प्राथमिक विद्यालय में गुरुवार को बड़ा हादसा हो गया। प्राथमिक विद्यालय कोयलारी में छत से प्लास्टर गिरने से एक सात वर्षीय मासूम छात्र घायल हो गया है। बताया गया है कि छात्र कक्षा दो में पढ़ता था।

क्लास में पढ़ाई के दौरान सभी छात्र कक्षा में बैठे हुए थे इसी दौरान अचानक छत के प्लास्टर का एक बड़ा हिस्सा नीचे गिर गया प्लास्टर का बड़ा हिस्सा घायल छात्र के सर से टकराया जिससे उसके सिर में घाव हो गया और खून बहने लगा इतना ज्यादा खून बह गया की छात्रा के पूरे कपड़े ही लाल हो गए घटना के बाद बच्चे को तत्काल जिला अस्पताल लाया गया है, जहां उसका इलाज जारी है।बदहाल है स्कूल बिल्डिंग

बताया जा रहा है कि स्कूल की बिल्डिंग काफी पुरानी और जर्जर हालत में है। इस विद्यालय भवन में इस तरह के किसी हादसे की आशंका पहले भी स्थानीय लोग व्यक्त कर चुके थे। शिक्षक भी इस बात से सहमत थे कि स्कूल के भवन की मरम्मत कराया जाना जरूरी है। इसके बावजूद मरम्मत के लिए कोई पहल नहीं की गई। यही कारण है कि हादसे के बाद ग्रामीणों और अभिभावकों में आक्रोश व्याप्त है। बताया गया है की घटना के बाद मौके पर मौजूद शिक्षकों ने अन्य छात्रों को सुरक्षित बाहर निकाला और उन्हें सुरक्षित स्थान पर पहुंचा दिया। कलेक्टर के निर्देश का नहीं हुआ पालन

कलेक्टर ने कुछ दिनों पहले ही यह निर्देश जारी किए थे कि जिले में कहीं भी जर्जर भवन में विद्यालय का संचालन न किया जाए। इसके बावजूद जिले के कई खस्ता हाल विद्यालय में कक्षाओं का संचालन किया जा रहा है। कोयलारी के जिस स्कूल में घटना हुई है वह भी इसी तरह का भवन था। स्पष्ट है कि कलेक्टर के निर्देशों का पालन जिले में नहीं हो रहा है।

प्लास्टर गिरने से मासूम छात्र हुआ घायल-गौरतलब है कि जिले में सैकड़ों ऐसे स्कूल भवन हैं जो 25 से 35 साल पुराने हैं और जर्जर हालत में हैं, फिर भी इन भवनों में रोजाना सैकड़ों बच्चे पढ़ने को मजबूर हैं। जर्जर भवनों को लेकर मीडिया ने भी बराबर शिक्षा विभाग को खबरों के माध्यम से ध्यान आकर्षित कराया है, पर शिक्षा विभाग की शिथिल और लचर व्यवस्था ने विद्यालय के मेंटेनेंस पर कोई ठोस पहल नहीं की गई।

नौकरी लगवाने के नाम पर ऐंठा 45 लाख, आरोपी गिरफ्तार

जबलपुर। रांची थाना क्षेत्र निवासी मिलिट्री अस्पताल के सेवानिवृत्ति जवान नायक कई युवाओं को सेना में नौकरी लगवाने का झांसा दिया। उनसे लगभग 45 लख रुपए ऐंड कर हड़प गया। आरोपित मड़ई निवासी राजेश कुमार राजभर को गुरुवार को सेना की खुफिया शाखा ने दबोचा। यह कार्रवाई खुफिया शाखा को रांची में कुछ युवकों को फर्जी नियुक्ति पत्र जारी होने की शिकायत मिलने के बाद की गई है।

पूछताछ के बाद उसे रांची पुलिस के सुपुर्द किया गया है। आरोपित के विरुद्ध रणजी थाना में धोखाधड़ी का मामला पंजीबद्ध किया गया है। उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। रांची पुलिस फर्जीवाड़े को लेकर आरोपित से पूछताछ और जांच कर रही है। उसके बैंक अकाउंट एवं मोबाइल फोन कॉल डिटेल्स की जांच की जा रही है। लगभग 4 वर्ष तक मिलिट्री अस्पताल में पदस्थ

आरोपित सेवानिवृत्ति (वर्ष 2016) से पूर्व लगभग 4 वर्ष तक मिलिट्री अस्पताल में पदस्थ था। जिसके कारण उसकी वहां अधिकारियों एवं कर्मचारियों से पहचान थी। सेवानिवृत्ति के बाद उसने कुछ युवकों को सेवा में नौकरी लगवाने का झांसा दिया। उसने बताया कि उसकी बड़े अधिकारियों से अच्छी पहचान है। उनका सिर्फ शारीरिक चिकित्सकीय परीक्षण होगा। जिसमें वह जुगाड़ से पास कर देगा। उसके बाद अधिकारियो से बोलकर उनकी नियुक्ति करवा देगा। आरोपित ने कुछ बेरोजगार युवक-युवती को अपने साथ लेकर मिलिट्री अस्पताल भी गया। जहां अपनी जान पहचान बताकर नौकरी लगवाने बोलकर उनसे ठगी किया।

आरोपित ने कुछ युवाओं से रुपए बैठने के बाद उन्हें नौकरी के फर्जी नियुक्ति पत्र भी दिए थे। खुफिया शाखा को आरोपित के पास से भी कुछ फर्जी नियुक्ति पत्र एवं जाल अभिलेख मिले हैं। फर्जी नियुक्ति पत्रों में सेना के अलग-अलग कमान से संबंधित पत्र है। उसमें युवक-युवतियां के नाम लिखे मिले हैं। इन नियुक्ति पत्रों को जलसाजी करते हुए 506 आर्मी बेस वर्कशॉप, जैक आरआरसी, मुख्यालय मध्य भारत क्षेत्र (चिकित्सा शाखा), कमांडेंट मिलट्री हॉ?स्पिटल, कर्नल हेड क्वार्टर एमपी एरिया, आईक्यूएच दिल्ली के नाम से जारी किया गया है।

इनमें सील लगी पाई गई है जो आरंभिक जांच में फर्जी मिली है।

आरंभिक जांच में पता चला है कि आरोपित ने कई युवक युक्तियां के साथ धोखाधड़ी की है। कुछ लोगों से उसने नगद राशि प्राप्त किया। कुछ लोगों ने उसे ऑनलाइन रुपए ट्रांसफर किए हैं।

अभी तक अरविंद कोल से चार लाख 80 हजार, भगवानदास राय से एक लाख 70 हजार, प्रीति घोष से चार लाख 65 हजार, अशोक कुशवाहा से दस लाख, संजय सेंगर से चार लाख, नीलम सिंह राजपूत से साढ़े तीन लाख, संतोष कोल से तीन लाख 75 हजार, पूजा गुप्ता से छह लाख 35 हजार, संतोष कुमार से दो लाख 84 हजार और आशीष कोल से दो लाख 30 हजार रुपए आते जाने का पता चला है।

अग्निवीर के लिए सिलेक्ट हुए अभ्यर्थी ही दे सकेंगे शारीरिक परीक्षा

ग्वालियर। भारतीय सेना की पैराशूट रेजिमेंट के लिए अग्निवीर भर्ती शारीरिक परीक्षा में उत्तीर्ण अभ्यर्थियों को मौका मिलेगा। जो अभ्यर्थी शारीरिक परीक्षा उत्तीर्ण कर लेंगे, उनमें से जो पैरा रेजिमेंट में पैरा कमांडो बनना चाहेंगे, उनकी शारीरिक परीक्षा ग्वालियर में आयोजित होगी।

सेना भर्ती कार्यालय की ओर से कहा गया है कि जिन अभ्यर्थियों ने शारीरिक परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है, वे पैराशूट रेजीमेंट के लिए तैयारी शुरू कर सकते हैं। अग्निवीर भर्ती की मैरिट लिस्ट जारी होने के बाद पैरा कमांडो की भर्ती के लिए शारीरिक परीक्षा का आयोजन होगा। इस बार अक्टूबर से नवंबर के बीच यह भर्ती हो सकती है।14 अगस्त तक परीक्षा जारी रहेगी

बता दें कि अग्निवीर भर्ती के लिए शारीरिक परीक्षा शिवपुरी में चल रही है। इसमें अब तक विभिन्न जिलों के 2518 अभ्यर्थी शामिल हो चुके हैं। शारीरिक परीक्षा में उत्तीर्ण अभ्यर्थियों का मेडिकल परीक्षण हो रहा है। 14 अगस्त तक शारीरिक परीक्षा जारी रहेगी।इसके बाद सितंबर के आखिरी सप्ताह या अक्टूबर के पहले सप्ताह तक परीक्षा परिणाम आ सकता है।

दैनिक हिन्दकुश

पॉक्सो अधिनियम बच्चों के सम्मान और सुरक्षा की गारंटी है : मंत्री निर्मला भूरिया

इंदौर। महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने कहा है कि लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम, 2012 पॉक्सो एक्ट बच्चों के अधिकारों की सुरक्षा और उनके उज्ज्वल भविष्य की गारंटी है। इस कानून की जानकारी जन-जन तक पहुँचना अत्यंत आवश्यक है, जिससे बच्चे शोषण का शिकार न हों।

मंत्री सुश्री भूरिया गुरूवार को कुशाभाऊ ठाकरे कन्वेशन सेंटर में मध्यप्रदेश बाल अधिकार संरक्षण आयोग द्वारा आयोजित क्षेत्रीय कार्यशाला को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने कहा कि बाल आयोग के अध्यक्ष श्री द्रविन्द्र मोरे के नेतृत्व में बाल संरक्षण के क्षेत्र में अनुकरणीय कार्य हो रहे हैं। 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों के विरुद्ध किसी भी प्रकार का यौन अपराध गंभीर और संज्ञेय है, इसके लिए पॉक्सो एक्ट में कठोर सजा का प्रावधान है। मध्यप्रदेश सरकार ने ऐसे मामलों में त्वरित कार्रवाई कर दोषियों को मृत्युदंड तक दिलवाया है, जो राज्य की संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता को दर्शाता है। आमजन को इस कानून के प्रति जागरूक करने की आवश्यकता है। जब तक समाज सजग नहीं होगा, तब तक बच्चों की सुरक्षा अधूरी रहेगी। हमें परिवार, मोहल्ला, विद्यालय सभी स्तरों पर निगरानी रखनी होगी।

बच्चों की देखरेख और पुनर्वास की ठोस व्यवस्था- मंत्री सुश्री भूरिया ने बताया कि सरकार ने 137 बाल देखरेख संस्थाओं के माध्यम से जरूरतमंद बच्चों को आश्रय और पुनर्वास की सुविधा दी है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू की गई पीएम केयर्स फॉर चिल्ड्रन स्कीम के अंतर्गत मध्यप्रदेश के 435 अनाथ बच्चों को आर्थिक सहायता, छात्रवृत्ति और भविष्य निधि का लाभ दिया गया है। वर्तमान में मिशन वात्सल्य के अंतर्गत 13 हजार 146 बच्चों को प्रायोजन और फोस्टर केयर के अंतर्गत सहायता दी जा रही है। सुश्री भूरिया ने यह भी उल्लेख किया कि मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य है जिसने वर्ष 2021 में मध्यप्रदेश बाल संरक्षण नीति 2020 को अधिसूचित किया। उन्होंने कहा कि विद्यालयों में हर 15 दिन में एक बार पॉक्सो अधिनियम पर जागरूकता सत्र अनिवार्य किया जाए, जिससे बच्चों को अपने अधिकारों और सुरक्षा के उपायों की जानकारी मिल सके।

उन्होंने ष्ट्झ्ष्ट सदस्यों से आग्रह किया कि वे बच्चों से मानवीय और संवेदनशीलता से मिलें, जिससे बच्चे विश्वास के साथ अपनी बात रख सकें और सही कदम समय पर उठाए जा सकें। उन्होंने बाल आयोग के अध्यक्ष श्री मोरे और उनकी टीम की सराहना करते हुए कहा कि आयोग के सदस्य लगातार दौरे कर रहे हैं और शिकायतों पर तत्काल कार्रवाई की जा रही है। मंत्री सुश्री भूरिया ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का विशेष आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे बच्चों के हित का विशेष ध्यान रखते हैं, यह उनकी संवेदनशीलता और प्रदेश के भविष्य के प्रति गहरी प्रतिबद्धता का प्रतीक है। गुजरात बाल अधिकार संरक्षण आयोग की अध्यक्ष श्रीमती धर्मिष्ठाबेन वी. गज्जर ने भी कार्यशाला को संबोधित किया। उन्होंने बच्चों के संरक्षण को देश की सामूहिक ज़िम्मेदारी बताया। उन्होंने कहा कि सभी राज्यों में बाल अधिकार आयोग अपनी-अपनी संरचनाओं और कार्यपद्धतियों के माध्यम से बच्चों के हितों की रक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। संकट की घड़ी में अनेक विभाग–चाहे वह बाल कल्याण समिति हो, पुलिस इकाई हो या महिला एवं बाल विकास विभाग हो, सभी आपसी समन्वय से बच्चों के लिए एक मजबूत सुरक्षा कवच का निर्माण करते हैं। उन्होंने इस बात पर विशेष बल दिया कि बच्चों से जुड़ी सभी संस्थाओं और तंत्रों को एक-दूसरे के कार्यों में समन्वय स्थापित करना चाहिए और इस भावना से जुड़ते हुए संवेदनशीलता के साथ काम करना चाहिए, जिससे हर बच्चे को सुरक्षित, संरक्षित और सम्मानजनक वातावरण मिल सके।

मध्यप्रदेश बाल अधिकार संरक्षण आयोग के अध्यक्ष श्री द्रविन्द्र मोरे ने कहा कि पॉक्सो अधिनियम से संबंधित मामलों में जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई जानी चाहिए। प्रत्येक प्रकरण का समयबद्ध एवं न्यायोचित निराकरण अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि बच्चों के अधिकारों की रक्षा के लिये यह अनिवार्य है कि शिक्षा, सुरक्षा, स्वास्थ्य और पुनर्वास के क्षेत्रों में अपने वाली चुनौतियों का सजग रहकर समाधान किया जाये।

प्रधानमंत्री के प्रस्तावित दौरे की तैयारी शुरू, कलेक्टर श्री प्रियंक मिश्रा ने लिया पीएम मित्रा पार्क का जायजा

इंदौर। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के आगामी 25 अगस्त को इंदौर संभाग के धार जिले में प्रस्तावित आगमन की तैयारियाँ तेज हो गई हैं। इसी क्रम में कलेक्टर श्री प्रियंक मिश्रा ने बदनावर के भैसोला में पीएम मित्रा पार्क का निरीक्षण किया और मौके पर मौजूद अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। एमपीआईडीसी के ईडी श्री हिमांशु प्रजापति, एसडीएम श्री दीपक चौहान सहित संबंधित अधिकारी मौजूद थे। कलेक्टर श्री मिश्रा ने प्रस्तावित हेलिपैड स्थल, जनसभा स्थल, पार्किंग व्यवस्था और पहुंच मार्गों का गहन निरीक्षण किया। उन्होंने सभी व्यवस्थाओं को समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए और विशेष रूप से सुरक्षा मानकों, ट्रैफिक व्यवस्था तथा जनसुविधाओं का ध्यान रखने को कहा। प्रशासनिक अमले को दिए स्पष्ट निर्देश निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने संबंधित विभागों के अधिकारियों से समन्वय बनाकर कार्य करने को कहा, जिससे प्रधानमंत्री के संभावित दौरे के दौरान किसी को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि पार्किंग और सभा स्थल तक आमजन की सुगम पहुंच सुनिश्चित हो। प्रधानमंत्री जी का यह दौरा धार जिले के लिए विशेष महत्व का है, विशेषकर पीएम मित्रा पार्क जैसे मेगा प्रोजेक्ट के संदर्भ में, जो जिले के औद्योगिक विकास की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा।

पीएम मित्रा पार्क से विस्थापित ग्रामीणों का पुनर्वास, कलेक्टर ने लिया निर्माण कार्यों का जायजा

इंदौर। पीएम मित्रा पार्क से विस्थापित होने वाले ग्रामीणों के पुनर्वास के क्रम में कलेक्टर श्री प्रियंक मिश्रा ने इंदौर संभाग के धार जिले के भैसोला में एमपीआईडीसी द्वारा बनाए जा रहे पुनर्वास स्थल का निरीक्षण किया। 89 मकानों का निर्माण, गुणवत्ता पर विशेष जोर एमपीआईडीसी के कार्यपालन निदेशक श्री हिमांशु प्रजापति ने कलेक्टर को बताया कि भैसोला में कुल 89 मकानों के निर्माण की योजना बनाई गई है। इस दौरान कलेक्टर श्री मिश्रा ने स्पष्ट निर्देश दिए कि मकानों की गुणवत्ता टॉप क्लास होनी चाहिए, ताकि विस्थापित ग्रामीण यह महसूस कर सकें कि उन्हें पहले से बेहतर सुविधा और वातावरण दिया गया है। सड़क, बिजली, पानी और स्वच्छता पर विशेष ध्यान निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने निर्देश दिए कि पुनर्वास स्थल पर सड़क, बिजली, पानी और साफ-सफाई जैसी बुनियादी सुविधाएं पूरी तरह सुनिश्चित की जाएं।

शासकीय महिला पॉलिटेक्निक महाविद्यालय में राष्ट्रीय हाथकरघा दिवस पर हाथकरघा जागरूकता कार्यशाला का हुआ आयोजन

इंदौर। राष्ट्रीय हाथकरघा दिवस के अवसर पर हाथकरघा एवं हस्त शिल्प संचालनालय, कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग भोपाल द्वारा शासकीय महिला पॉलिटेक्निक महाविद्यालय इन्दौर में एक दिवसीय हाथकरघा जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के सह आयोजक संत रविदास मध्यप्रदेश हस्तशिल्प एवं हाथकरघा विकास निगम लिमिटेड भोपाल एवं संयोजक फैशन टेक्नोलॉजी विभाग शासकीय महिला पॉलिटेक्निक महाविद्यालय इन्दौर थे।

कार्यशाला का शुभारम्भ प्राचार्य श्रीमती विजया शिंदे द्वारा किया गया। इस अवसर पर आयुक्त हाथकरघा एवं हस्तशिल्प विभाग भोपाल श्री मदन विभीषण नागरगोजे ने ऑनलाईन संबोधित किया। उन्होंने कहा कि यह कार्यशाला उद्योग विशेषज्ञों, स्टार्टअप्स, डिजाईनर्स, कारीगरों, बुनकरों, शिक्षकों, छात्राओं तथा हस्तशिल्प एवं हाथकरघा क्षेत्र से जुड़े अन्य महत्वपूर्ण हितधारकों को एक साथ लाने के उद्देश्य से आयोजित की जा रही है। कार्यशाला का उद्देश्य मध्यप्रदेश के विकसित होते हाथकरघा पारिस्थितिकी तंत्र में जागरूकता बढ़ाना, नवाचार को प्रोत्साहित करना एवं सहयोगात्मक संवाद को बढ़ावा देना है। आयुक्त हाथकरघा एवं हस्तशिल्प विभाग भोपाल श्री मदन विभीषण नागरगोजे द्वारा इस अवसर पर महाविद्यालयीन छात्राओं को हेण्डलूम संबंधी प्रोजेक्ट हेतु पूर्ण सहयोग प्रदान करने का आश्वासन दिया गया। छात्राओं को जागरूक करते हुए उद्यमिता संबंधी भास्कर आईडी बनाने हेतु भी प्रोत्साहित किया गया। प्राचार्य श्रीमती विजया शिंदे द्वारा अपने उद्बोधन में हाथकरघा के महत्व को बताया गया। उन्होंने कहा कि हाथकरघा न केवल हमारी सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक है बल्कि यह ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और देश भर में लाखों बुनकरों की आजीविका का आधार है। इस अवसर पर हेण्डलूम उद्योग से विशेष रूप से आमंत्रित डॉ. समीक्षा नायक द्वारा कार्यशाला में उपस्थित छात्राओं को हेण्डलूम उद्योग संबंधी गतिविधि की जानकारी दी। श्री अब्दुल अलीम द्वारा माहेश्वरी साड़ी की विरासत पारम्परिक से आधुनिक तक विषय पर अपने विचार व्यक्त किये गये।

डॉ. डेविश जैन को मिला लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड 2025 ; एम.एस. स्वामीनाथन जैसे महान विभूतियों की श्रेणी में हुए शामिल

इंदौर। प्रेस्टीज यूनिवर्सिटी के चांसलर और प्रेस्टीज एजुकेशन फाउंडेशन के चेयरमैन डॉ. डेविश जैन को मायलै तिरुवल्लुवर तमिल संगम (एमटीएस एकेडमी), चेन्नई द्वारा लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड 2025 से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान उन्हें भारत में सुलभ और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के क्षेत्र में उनके असाधारण योगदान के लिए प्रदान किया गया।

यह पुरस्कार प्रेस्टीज इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड रिसर्च, इंदौर में आयोजित अंडरग्रेजुएट विद्यार्थियों के इंडक्शन समारोह के दौरान प्रदान किया गया। यह सम्मान उन्हें ऑल इंडिया रेडियो, चेन्नई के पूर्व निदेशक तथा एमटीएस एकेडमी के संस्थापक सचिव कलैमामणि डॉ. एन. मुरुगन द्वारा प्रदान किया गया।

डॉ. जैन ने इस पुरस्कार पूरे प्रेस्टीज समूह एवं प्रेस्टीज प्रबंध संस्थान के सभी छात्रों एवं फैकल्टी को समर्पित किया जिनके योगदान से छात्रों को उच्च गुणवत्ता वाली सुलभ शिक्षा प्रदान की जा रही है। एमटीएस एकेडमी को इस प्रतिष्ठित पुरस्कार से सम्मानित करने के लिए धन्यवाद देते हुए उन्होंने कहा कि वे दक्षिण भारत के इस संस्थान के साथ मिलकर सामाजिक उत्थान और युवाओं के सशक्तिकरण के कार्य में सहभागी बनना चाहते हैं।

कलेक्टर आशीष सिंह ने 100 रुपये व उससे अधिक की अचल संपत्ति की नोटरी किए जाने पर लगाया प्रतिबंध

इंदौर। विधिक प्रावधानों एवं शासकीय निर्देशों का पालन कराने हेतु इन्दौर जिले की राजस्व सीमा अन्तर्गत 100 रुपये व उससे अधिक की अचल सम्पत्ति की नोटरी किये जाने से जन-सामान्य को उत्पन्न होने वाली परेशानियों की रोकथाम एवं अवांछनीय गतिविधियों के निवारण के लिए कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्री आशीष सिंह ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा-163(1)(2) के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किये हैं। जारी आदेश के अनुसार इन्दौर जिले में 100 रुपये व उससे अधिक की अचल सम्पत्ति की नोटरी किये जाने को प्रतिबंधित किया गया है। यदि किसी नोटरी द्वारा ऐसा कृत्य किया जाता है तो उसके विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 223 के तहत कार्यवाही करने के साथ ही नोटरी लायसेंस को निरस्त करने की कार्यवाही की अनुशंसा की जायेगी तथा अन्य वैधानिक कार्यवाही भी की जायेगी।

सभी वरिष्ठ जिला पंजीयक, जिला पंजीयक, वरिष्ठ उप पंजीयक, उप पंजीयक, जिला इन्दौर अनुविभागीय दण्डाधिकारी, कार्यपालिक दण्डाधिकारी, पुलिस के थाना प्रभारी, पुलिस के सभी वरिष्ठ अधिकारी, उक्त आदेश का पालन एवं क्रियान्वयन सुनिश्चित करेंगे। जो भी व्यक्ति अथवा संगठन उक्त आदेश का उल्लंघन करेगा, उसके विरूद्ध भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 223 के दण्डात्मक प्रावधानों के अन्तर्गत कार्यवाही की जायेगी। यह आदेश दिनांक 07 अगस्त 2025 से 05 अक्टूबर 2025 तक की अवधि में प्रभावशील रहेगा।

प्रायः यह देखने में आता है कि कुछ लोगों द्वारा अचल सम्पत्ति को रजिस्ट्री के आधार पर क्रय-विक्रय न करते हुए नोटरी के आधार पर क्रय-विक्रय कर लिया जाता है। इस प्रकार के छल-कपट में भोली-भाली जनता, जिन्हें नियम कानूनों का ज्ञान नहीं है फंस जाते है, धोखाधड़ी का शिकार होते है तथा बाद में परेशानी उठाते है। इस प्रकार के नोटरी के आधार पर पंजीकृत दस्तावेजों का कोई कानून अस्तित्व नहीं होने से अनावश्यक कठिनाईयां पैदा होती है। कई बार देखने में आता है कि व्यक्ति अपनी जीवन की पूरी कमाई या कर्ज आदि लेकर अचल सम्पत्ति क्रय करते हैं तथा उसकी विधिवत रजिस्ट्री न करवाते हुये पैसे बचाने के लालच में नोटरी के आधार पर अचल सम्पत्ति क्रय कर लेते है, जिससे एक तरफ शासन को राजस्व की हानि होती है, वहीं दूसरी ओर इस प्रकार के दस्तावेजों का कोई वैधानिक अस्तित्व नहीं होने से क्रेता का कोई स्वामित्व भी निर्धारित नहीं होता है। साथ में इससे अवैध कॉलोनियों को बढ़ावा मिलता है, जहां किसी भी प्रकार की अधोसंरचना न होने के कारण जन-आक्रोश की स्थिति निर्मित होती है।

मूर्ति निर्माण एवं मूर्तियों के विसर्जन के संबंध में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023 की धारा-163 के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी

इंदौर। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री आशीष सिंह ने इंदौर जिले में आगामी त्यौहारों को देखते हुए प्रदूषण की रोकथाम के लिये मूर्ति निर्माण एवं मूर्तियों के विसर्जन के संबंध में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023 की धारा-163 के तहत प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किये है। इस संबंध में समय-समय पर राष्ट्रीय हरित अधिकरण सेन्ट्रल जोनल बैंच भोपाल व केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा भी मूर्ति निर्माण एवं मूर्तियों के विसर्जन हेतु निर्देश जारी किये गये हैं।

इन्दौर जिले में प्रदूषण की रोकथाम हेतु मूर्ति निर्माण एवं विसर्जन के संबंध में कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री आशीष सिंह ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत जन सामान्य के स्वास्थ्य के हित एवं लोक शांति बनाये रखने हेतु इन्दौर जिले की राजस्व सीमा के लिए प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किये है।

जारी आदेशानुसार मूर्तियों/प्रतिमाओं के निर्माण में केवल उन्हीं प्राकृतिक सामग्रियों का ही इस्तेमाल किया जा सकेगा जैसा कि पवित्र ग्रन्थों में उल्लेखित है। निर्देश दिये गये है कि मूर्तियों के निर्माण में परंपरागत मिट्टी का ही उपयोग किया जाये, पक्की हुई मिट्टी, पी0ओ0पी0 (प्लास्टर ऑफ पेरिस) या किसी प्रकार के केमिकल व रासायनिक वस्तुओं का उपयोग मूर्ति निर्माण में किया जाना प्रतिबंधित रहेगा। मूर्तियों/प्रतिमाओं पर कलर हेतु केवल प्राकृतिक रंगों व गैर विषाक्त रंगों का इस्तेमाल किया जायेगा। किसी भी प्रकार के रासायनिक व विषाक्त रंगों का इस्तेमाल पूर्णतः प्रतिबंधित रहेगा। जिले में केवल परंपरागत मिट्टी से निर्मित प्रतिमाओं का ही उत्पादन व विक्रय किया जा सकेगा। परंपरागत मिट्टी छोड़कर अन्य पदार्थ जैसे पीओपी व अन्य रासायनिक पदार्थों से बनाई जाने वाली प्रतिमाओं के उत्पादन तथा विक्रय, बाहर ले जाने या बाहर से लाने को प्रतिबंधित किया गया है। परंपरागत मिट्टी छोड़कर अन्य पदार्थ जैसे पीओपी व अन्य रासायनिक पदार्थों से मूर्ति/प्रतिमाओं के निर्माण को प्रतिबंधित किया गया है।

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृग्धरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

महापौर मुकेश टटवाल द्वारा किया गया वार्ड क्रमांक 04, 05 एवं 06 में स्कूल के विद्यार्थियों से स्वच्छता संवाद

उज्जैन। शुक्रवार को महापौर श्री मुकेश टटवाल द्वारा वार्ड क्रमांक 04, 05 एवं 06 में स्थित शासकीय स्कूलों में पहुंचकर विद्यार्थियों से शहर की स्वच्छता एवं नगर निगम द्वारा किए जा रहे कार्यों एवं नवाचारों को लेकर संवाद किया गया साथ ही कहा कि स्कूल के विद्यार्थी शहर की स्वच्छता को लेकर स्वच्छता क्लब बनाएं ताकि आप सभी विद्यार्थियों के माध्यम से शहर की स्वच्छता का व्यापक प्रचार प्रसार एवं जन जागरण हो सकेगा।

महापौर द्वारा वार्ड क्रमांक 04 कानीपुरा स्थित क्षीरसागर हायर सेकेंडरी स्कूल, वार्ड क्रमांक 05 शासकीय नूतन कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय इंद्रानगर, वार्ड क्रमांक 06 मोहन नगर स्थित शासकीय आदर्श संस्कृत उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों के साथ उज्जैन शहर की स्वच्छता को लेकर चर्चा की गई और कहा कि उज्जैन शहर सुपर स्वच्छता लीग अंतर्गत 3 से 10 लाख की जनसंख्या में प्रथम स्थान पर आया है हमें यह स्थान निरंतर बनाए रखना है इसके लिए आप सभी विद्यार्थियों के भी सहयोग की आवश्यकता है इसलिए आप सभी अपने घर परिवार, आस पड़ोस में समझाइश देने का कार्य करेंगे की घर से निकलने वाले कचरे को अलग-अलग डस्टबिन में रखते हुए कचरा गाड़ी में ही डालेंगे कचरा बाहर खुले में ना फेंकेंगे और जो फेंकते पाए जाएंगे उन्हें समझाइश देने का कार्य करेंगे साथ ही प्रतिबंधित पॉलीथिन का भी उपयोग नहीं करेंगे घर से कपड़े के झोले एवं बर्तन लेकर ही जाएंगे।

महापौर द्वारा चर्चा के दौरान बच्चों को बताया कि नगर निगम द्वारा किस प्रकार फूलों से अगरबत्ती एवं हर्बल गुलाल बनाने, पुराने कपड़ों का उपयोग करते हुए उनसे फाइल कवर बनाने एवं सब्जी मंडी में सब्जियों के माध्यम से बायोगैस बनाए जाने का कार्य निगम द्वारा किया जा रहा है।

इस दौरान क्षेत्रीय पार्षद एवं एमआईसी सदस्य श्री शिवेंद्र तिवारी, श्री दिलीप परमार, पार्षद प्रतिनिधि श्री घनश्याम गोड, प्राचार्य श्रीमती सपना गोथवाल, डॉक्टर विवेक तिवारी उपस्थित रहे।

बड़ा गणेश की राखी में दिखेगी बच्चों के मोबाईल चलाने से माता-पिता में बढ़ रही चिंता

13 वर्ष के बच्चे द्वारा मोबाईल गेम के कारण आत्महत्या के बाद राखी के माध्यम से सजग रहने का संदेश

उज्जैन। इंदौर में 13 वर्षीय 7वीं कक्षा के बच्चे ने फ्री फायर गेम में 2800 रूपये हारने के बाद आत्महत्या कर ली। उज्जैन सहित देशभर में मोबाईल कई बच्चों का भविष्य बर्बाद कर रहा है। माता पिता की अपने बच्चों के प्रति मोबाईल चलाने के कारण बढ़ रही चिंता इस बार भगवान बड़े गणेश की राखी में दिखेगी जिसमें बाल गणेशजी के मोबाईल चलाने से शिव पार्वती भी परेशान नजर आ रहे हैं।

मिनी सुखनानी विगत 17 वर्षों से महाकाल मंदिर के समीप स्थित भगवान बड़ा गणेश को राखी बांधती आ रही हैं। इस बार भी आज रक्षाबंधन के पर्व पर बड़े गणेशजी को 5 फीट की राखी बंधेगी जिसमें आईफोन चलाते गणेश व मूषक के दर्शन होंगे। राखी में शिवजी मां पार्वती को चिंतित होकर देखते हैं, गणेशजी बालस्वरूप में मोबाईल से खेलते नजर आ रहे हैं। मिनी सुखनानी ने बताया कि इस राखी के माध्यम से संदेश देना चाहते हैं कि माता पिता पेरेंट सरविलांस जरूर रखें और जानकारी रखें कि उनके बच्चे फोन में क्या रूचि रखते हैं, साथ ही मूषक का चश्मा लगाकर मोबाईल से खेलते नजर आ रहे हैं। मिनी ने बताया कि इसके साथ ही वे महाकाल मंदिर में भी थ्री डी आंखों वाली राखी बांधेगी जिसकी लंबाई 5 फीट है।

विक्रम विश्विद्यालय परिसर में रौपा एक पेड़ मां के नाम

उज्जैन। यूनिवर्सिटी टीचिंग डिपार्टमेंट, विक्रम विश्विद्यालय उज्जैन की एन. सी. सी. इकाई द्वारा 8 अगस्त को एक पेड़ मां नाम पौधारोपण किया गया।

कार्यक्रम में प्रो. अर्पण भारद्वाज कुलगुरु विक्रम विश्विद्यालय, प्रो. एस.के. मिश्रा अधिष्ठाता विद्यार्थी कल्याण विभाग, कैप्टन कनिया मेड़ा एनसीसी अधिकारी, सूबेदार दलसिंह सिंह 10 मध्यप्रदेश बटालियन एनसीसी उज्जैन व एनसीसी कैडेट्स द्वारा विक्रम विश्विद्यालय परिसर में एक पेड़ मां के नाम वृक्षारोपण किया गया।

निशा चौहान ने शहर का नाम किया गौरान्वित

उज्जैन। स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया व खेल एवं युवक कल्याण मंत्रालय भारत सरकार एवं वाको इंडिया किक बॉक्सिंग फेडरेशन द्वारा निर्देशित अमेच्योर स्पोर्ट्स किक बॉक्सिंग एसोसिएशन आफ मध्य प्रदेश द्वारा आयोजित अस्मिता खेलो इंडिया किक बॉक्सिंग लीग का आयोजन 3 अगस्त 2025 को इंदौर पब्लिक स्कूल, इंदौर में किया गया । उज्जैन टीम ने भी इस प्रतियोगिता में भाग लिया जिसमें पाटीदार नर्सिंग इंस्टिट्यूट की एक खिलाड़ी निशा चौहान ने भी सहभागिता की । पाटीदार नर्सिंग इंस्टिट्यूट के स्पोर्ट्स डिपार्टमेंट से अभिषेक मरमट ने बताया कि बी. एससी. नर्सिंग तृतीय वर्ष की छात्रा निशा चौहान ने सीनियर वर्ग में इस प्रतियोगिता में भाग लेकर द्वितीय स्थान (सिल्वर मेडल) प्राप्त किया । निशा की इस सफलता पर पाटीदार नर्सिंग इंस्टिट्यूट के संस्था प्रबंधक, प्राचार्या डॉ. नेहा टाइटस, उप प्राचार्य डॉ. विमलेश व्यास और सभी स्टाफ ने शुभकामनाएं देकर छात्रा के उज्जवल भविष्य के लिए कामना की ।

श्रावण मास में पूरे महीने कावड़ यात्रियों, श्रध्दालुओं को कराया भोजन

निःशुल्क भोजन प्रसादी वितरण कार्यक्रम के समापन पर सेवा देने वालों का किया सम्मान

उज्जैन। मप्र युवा शिवसेना गोरक्षा न्यास द्वारा श्रावण मास में कावड़ यात्रियों, श्रद्धालुओं के लिए चलाये गये निःशुल्क भोजन प्रसादी वितरण कार्यक्रम का समापन हुआ।

मप्र युवा शिवसेना गोरक्षा न्यास द्वारा सावन के पावन महीने में कावड़ यात्रियों श्रद्धालुओं को निःशुल्क भोजन प्रसादी वितरण का यह लगातार पांचवा वर्ष रहा। इस वर्ष दो हिंदूवादी संगठन हिंदू टाइगर फोर्स, राष्ट्रीय हिंदू परिषद भारत के पदाधिकारियों द्वारा भी पूरा सहयोग दिया गया। मप्र युवा शिवसेना गौरक्षा न्यास के संस्थापक व अध्यक्ष हिंदू टाइगर फोर्स के राष्ट्रीय महासचिव मनीष सिंह चौहान, निःशुल्क भोजन समिति के अध्यक्ष राजकुमार झांझोट ने बताया कि हमारे द्वारा संकल्प लिया गया था कि महाकाल मंदिर पधारने वाले कावड़ यात्री श्रद्धालुओं को पूरे सावन महीने निरंतर निशुल्क भोजन प्रसादी वितरित की जाएगी। महाकाल के भक्तों के लिए मस्त बालवीर हनुमान मंदिर हरसिद्धि की पाल पर मंदिर के मुख्य पुजारी हरि दुबे व संजय उपाध्याय की मौजूदगी प्रतिदिन सुबह 11 बजे से निःशुल्क भोजन प्रसादी वितरित कार्यक्रम जारी रहा। रोजाना श्रद्धालुओं के लिए अलग-अलग भोजन की व्यवस्था की गई। रोज सुबह श्रद्धालुओं के लिए विशेष चाय, पोहा परोसा गया और दोपहर में भोजन प्रसादी वितरित की गई। भोजन वितरण समापन अवसर पर मुख्य रूप से मध्यप्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष डॉ सनवर पटेल व मप्र कबड्डी एसोसिएशन के अध्यक्ष शाहनवाज उदित शेख, छन्नू भैया रावले ठाकुर झिरनिया, मंगलनाथ मंदिर के महाप्रबंधक गुरुजी पाठकजी, दिल्लु पहलवान, क्षत्रिय महासभा की महिला मोर्चा राष्ट्रीय अध्यक्ष व मप्र युवा शिवसेना गोरक्षा न्यास की महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष हेमलता तोमर, अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा के युवा विंग के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव सिंह परिहार व क्षत्रिय महासभा के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष बलवीर सिंह पवार, भाजपा नगर उपाध्यक्ष आनंद खिच्ची, कमलेश बैरवा, पूर्व महाराजवाड़ा मंडल अध्यक्ष पंकज मिश्रा, महाराज वाड़ा मंडल अध्यक्ष सतीश सिंदल भाजपा, समाजसेवी प्रेम सिंदल, सोनू बिजोरिया, कमल राठौर मौजूद रहे।

जनशक्ति वेलफेयर सोसाइटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अरुण सिंह भदोरिया व प्रदेश अध्यक्ष हेमलता तोमर द्वारा सेवा देने वाले कार्यकर्ताओं में निःशुल्क भोजन समिति के अध्यक्ष राजकुमार झांझोट, गौ रक्षा न्यास के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष हरि माली, प्रदेश संगठन मंत्री मुकेश कुमावत, राष्ट्रीय हिंदू परिषद भारत के प्रदेश अध्यक्ष मुरली निगम, भरत बड़वाया, पप्पू नाथ मकवाना, गोकुल सिंह दरबार, पप्पू भैया, कमल राठौर, दीपशिखा राजपूत, विश्वास सिंह चौहान, शरद सिंह चौहान, रणवीर सिंह चौहान, डिंपल राजपूत का सम्मान स्मृति चिन्ह देकर किया।

उज्जैन जिला बैडमिंटन टीम का हुआ चयन

उज्जैन। उज्जैन जिला बैडमिंटन एसोसिएशन द्वारा राजमाता विजयाराजे सिंधिया खेल परिसर नानाखेड़ा स्टेडियम पर उज्जैन टीम का सिलेक्शन ट्रायल आयोजित किया गया।

गोपाल बलवानी ने बताया कि टीम में आरव श्रीवास्तव, आदि पटवा, शिवांश पाल, तनिष्क सोलंकी, दिव्यांश व्यास, जूही चौधरी, वनाधि चौधरी का चयन किया गया। यह टीम भोपाल में आयोजित जी एच रायसोनी मेमोरियल 63वी इंटर डिस्ट्रिक्ट और 78वीं एमपी सीनियर स्टेट बैडमिंटन चैंपियनशिप में उज्जैन टीम का प्रतिनिधित्व करेगी। इस अवसर पर उज्जैन जिला बैडमिंटन एसोसिएशन के सदस्य सत्येंद्र राठौर एवं अथर्व भावसार मौजूद रहे। जिला अध्यक्ष वैभव यादव, उपाध्यक्ष अनुराग ठक्कर एवं सचिव अनुराग शर्मा ने सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दी।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com